RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 318 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 16-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नाविकों की मौत पर चुप्पी तोड़ें प्रधानमंत्री मोदी : कांग्रेस

6 कल के दिग्गज आज लड़ रहे अस्तित्व की लड़ाई

7 वृद्धाश्रमों की बढ़ती संया और सूने होते घर चिंताजनक : योगी आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों के लिए नाश्ता योजना के विस्तार की घोषणा की

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को कहा कि स्कूली छात्रों के लिए 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' का विस्तार आठवीं कक्षा तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना 17 सितंबर को शुरू की जाएगी। पिछली द्रमुक सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा शुरू की गई 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' के तहत अभी राज्य सरकार द्वारा संचालित और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के छात्र शामिल हैं। समाज कल्याण और महिला सशक्तीकरण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, विजय ने अधिकारियों को कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू करने का निर्देश दिया।

डीआरडीओ ने सतह पर हमला करने वाली मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सतह पर हमला करने वाली लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल (एलआरएलएसीएम) का ओडिशा तट पर सोमवार को सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि विभिन्न निगरानी उपकरणों द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरी तरह हासिल हुए। एलआरएलएसीएम स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइल है, जिसकी सभी उप-प्रणालियों का विकास डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और औद्योगिक साझेदारों ने किया है।

लेबनान, सीरिया और गाजा में कब्जे वाली जमीन से पीछे नहीं हटेगा इजराइल : रक्षा मंत्री

तेल अवीव/एपी। इजराइल के रक्षा मंत्री ने सोमवार को कहा कि जब तक ईरान और अमेरिका के बीच अंतरिम समझौता लंबित है तब तक इजराइली सेना लेबनान में कब्जाई गई जमीन से पीछे नहीं हटेगी। अंतरिम समझौते की घोषणा के बाद इजराइल की ओर से यह पहली आधिकारिक टिप्पणी है। वहीं पाकिस्तान ने कहा कि दोनों पक्ष इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए शुक्रवार को जिनेवा में मिलेंगे। इजराइल काट्ज ने कहा कि इजराइल, लेबनान के साथ-साथ सीरिया और गाजा पट्टी में कब्जाई जमीन पर 'अनिश्चित काल' तक बने रहने की योजना बना रहा है। ईरान द्वारा युद्ध से जुड़े इस अंतरिम समझौते को लेबनान में हिज्बुल्ला पर इजराइली हमलों को रोकने से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

16-06-2026 सूर्यास्त 6:36 बजे	17-06-2026 सूर्योदय 5:42 बजे
BSE 76,264.33 (+736.38)	NSE 23,853.90 (+231.00)
सोना 15,602 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 260,000 रु. प्रति किलो

कर्नाटक में आरएसएस के पंजीकरण की मांग 'राजनीति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ संगठन के पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और वह खुले तौर पर अपनी गतिविधियां संचालित करता है।

त्रिशूर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के पंजीकरण की मांग को खारिज करते हुए कहा कि संगठन के पास न तो कुछ छिपाने के लिए है और न ही वह जनता की नजरों से बचकर काम करता है।

भागवत रविवार को केरल के त्रिशूर में आरएसएस के शताब्दी संपर्क कार्यक्रम के तहत एक सभा को संबोधित करने के बाद सवालों का जवाब दे रहे थे।

यह पूछे जाने पर कि कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने आरएसएस से अपना पंजीकरण कराने की मांग की है, भागवत ने कहा कि संगठन के पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और वह खुले तौर पर अपनी गतिविधियां संचालित करता है।

संघ प्रमुख ने कहा, बहुत-सी अपंजीकृत चीजें संचालित हो रही हैं और हम कोई बात छिपाते नहीं हैं। हम खुलेआम काम करते हैं। हम लोगों को बुलाते हैं और उन्हें बताते हैं कि हम क्या करते हैं। उन्होंने आरएसएस के पंजीकरण की मांग को राजनीति करार देते हुए कहा कि संगठन के लिए ऐसी कोशिशें कोई नई बात नहीं हैं।

भागवत ने कहा, यह राजनीति है। इस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं... हमें इसकी आदत हो गई है। संघ के अस्तित्व में आने के 10-15 साल बाद ही हमें इन सब चीजों का सामना करना पड़ा था। अगर ऐसा न हो, तो हमें लगता है कि कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान स्थापित यह संगठन सार्वजनिक बहस और आम सहमति की प्रक्रिया से उभरकर सामने आया।

भागवत ने कहा, हिंदू धर्म पंजीकृत नहीं है। कई चीजें पंजीकृत नहीं होतीं। जो लोग सरकार से निधि चाहते हैं, उन्हें पंजीकरण कराने की जरूरत होती है। ऐसा तो होना ही चाहिए। लेकिन सरकार जानती है कि संघ का अस्तित्व है।

संघ प्रमुख ने कहा कि अतीत में आरएसएस पर दो बार प्रतिबंध लगाया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि इन कार्रवाइयों से ही पता चलता है कि अधिकारियों को संगठन के अस्तित्व और पहचान के बारे में अच्छी तरह से जानकारी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने 12 वर्ष में 100 विदेश यात्राएं कीं

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया की जारी एक सप्ताह लंबी यात्रा प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद उनकी 100वीं विदेश यात्रा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की पहली विदेश यात्रा 15 से 16 जून, 2014 तक भूटान की थी। उनकी दूसरी विदेश यात्रा उसी वर्ष 13 से 17 जुलाई तक ब्राजील की थी, जहां उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। मोदी ने 26 मई, 2014 को भारत के प्रधानमंत्री का पद संभाला था और इसके बाद वह 2019 तथा 2024 में फिर से निर्वाचित हुए। पीएमओ की वेबसाइट के अनुसार, अपने 12 वर्षों के कार्यकाल में प्रधानमंत्री के रूप में मोदी अब तक 78 देशों की यात्रा कर चुके हैं। अपने पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री ने कुल 49 विदेश यात्राएं की थीं। दूसरे कार्यकाल में मोदी की पहली विदेश यात्रा 8 से 9 जून, 2019 तक मालदीव और श्रीलंका की थी। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी ने कुल 27 विदेश यात्राएं कीं।

गृह लक्ष्मी और गृह ज्योति योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 'गृह लक्ष्मी' और 'गृह ज्योति' गारंटी योजनाओं के लिए नये सिरे से आवेदन आमंत्रित करने का फैसला किया है।

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि राज्य सरकार 'गृह लक्ष्मी' और 'गृह ज्योति' गारंटी योजनाओं को बंद नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अभी जो प्रक्रिया चल रही है, उसका मकसद सिर्फ यह सुनिश्चित करना है कि इन योजनाओं का फायदा केवल वास्तविक लाभार्थियों को मिले।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 'गृह लक्ष्मी' और 'गृह ज्योति' गारंटी योजनाओं के लिए नये सिरे से आवेदन आमंत्रित करने का फैसला किया है। इसके बाद विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लाभार्थियों पर शर्तें थोप रही है और इस तरह वह इन

योजनाओं का दायरा घटाने की कोशिश कर रही है।

गृह लक्ष्मी योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की महिला मुखिया को 2,000-2,000 रुपए प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं, गृह ज्योति योजना के तहत परिवारों को हर महीने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली मुहैया कराई जाती है।

शिवकुमार ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में विपक्ष पर गारंटी योजनाओं के बारे में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार राशि के गलत इस्तेमाल और हेर-फेर को रोकने के लिए लाभार्थियों का डेटा सुव्यवस्थित कर रही है।

शिवकुमार ने कहा, हम गारंटी योजनाओं को किसी भी सूरत में बंद नहीं करने जा रहे हैं। हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ताजा फोटो, पहचान विवरण और अन्य रिकॉर्ड मांग रही है, क्योंकि ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें लाभार्थियों की ओर से गलत जानकारी दिए जाने के कारण 'गृह लक्ष्मी' योजना की राशि गलत खातों में अंतरित की जा रही थी।

मैसुरु के रेस्तरां-पब में आग लगने से दो लोगों की मौत

मैसुरु (कर्नाटक)/भाषा। मैसुरु के एक रेस्तरां-पब में सोमवार को आग लग जाने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान साहिल और प्रकाश के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि यह घटना शहर के दत्तागल्ली इलाके में नेताजी सर्कल के पास स्थित दो मंजिला रेस्तरां-पब में हुई। उनके अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। दमकल अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के दौरान पब में 25 से अधिक लोग मौजूद थे। दमकल एवं आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों ने सात लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

पांच सौ करोड़ रुपए के क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में ईडी ने छापेमारी की, एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 500 करोड़ रुपए के कथित क्रिप्टोकरेंसी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में सोमवार को छापेमारी कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एजेंसी के अनुसार, इस कथित धोखाधड़ी से 2.48 लाख से अधिक निवेशक प्रभावित हुए हैं। ईडी ने विजय कुमार जुनेजा और मसोम जुनेजा से जुड़े परिसरों पर तलाशी ली। एजेंसी ने बताया कि मसोम जुनेजा को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए गए।

भारत, स्लोवाकिया संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर ले जाने को सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ दोनों देशों ने प्रवासन, डिजिटल प्रौद्योगिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए 11 समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए।

ब्रातिस्लावा/भाषा। भारत और स्लोवाकिया ने सोमवार को अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक ले जाने तथा द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच बातचीत के बाद यह सहमति बनी।

दोनों देशों ने प्रवासन, डिजिटल प्रौद्योगिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए 11 समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए।

मोदी और फिको, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को यथाशीघ्र लागू करने की दिशा में काम करने पर भी सहमत हुए। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को काफी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी यूरोप की अपनी एक हफ्ते की यात्रा के तहत ब्रातिस्लावा में हैं। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की यह पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया में जारी वक्तव्य में कहा, ''हमने अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। यह हमारी साझा मान्यताओं, साझा प्राथमिकताओं और साझा भविष्य का प्रतीक है।''

इस व्यापक साझेदारी का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को एक नए मुकाम पर ले जाना, मौजूदा सहयोग तंत्रों को मजबूत करना और द्विपक्षीय व बहुपक्षीय, दोनों स्तरों पर सहयोग को और प्रगाढ़ करने के नए रास्ते तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने और फिको ने रिश्तों को 'नई दिशा' देने के तरीकों पर चर्चा की।

मोदी और फिको ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और मज़बूती को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए। इसके लिए परमाणु ऊर्जा और भूतापीय ऊर्जा सहित ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों को अपनाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमारे पास असीम संभावनाएं हैं। हमारी आकांक्षाएं और भी बड़ी हैं। ऑटोमोबाइल, रेलवे, उन्नत विनिर्माण और हरित प्रौद्योगिकी हमारे लिए खास दिलचस्पी के क्षेत्र हैं।'' मोदी ने कहा कि आज हमने इन सभी मुद्दों पर अपनी ताकत को मिलाकर दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए कई अहम फैसले लिए। मोदी ने यह भी कहा कि भारत और स्लोवाकिया के बीच रक्षा सहयोग दोनों पक्षों के बीच ''गहरे आपसी भरोसे और रणनीतिक तालमेल'' का सबूत है।

पेपर लीक सिर्फ व्यवस्था की विफलता नहीं, लाखों सपनों पर प्रहार है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोटा में छात्र सम्मेलन से पहले सोमवार को कहा कि हर पेपर लीक, परीक्षाओं का रद्द होना और अधूरी भर्ती सिर्फ व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि लाखों सपनों पर प्रहार है।

गांधी नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक, भारतीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और बेरोजगारी के विषयों लेकर छात्र सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसकी

शुरुआत 17 जून को कोटा में होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में छात्र सम्मेलनों का आयोजन होगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''देश के हर युवा से मेरी एक बात- आज इस देश में मेहनत का फल नहीं, सपने देखने की सज़ा मिलती है। हर पेपर लीक, हर रद्द परीक्षा, हर अधूरी भर्ती, सिर्फ़ सिस्टम की विफलता नहीं, लाखों सपनों पर प्रहार है।'' उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं आप थक चुके हैं। गुस्से में हैं। पर याद रखिए, जब सरकार सुनने को तैयार न हो, तब आवाज ऊंची करनी पड़ती है। इसलिए मैं आप सबको 17 जून को कोटा बुला रहा हूं। यह छात्रों की गूंज है।''

कांग्रेस नेता गांधी ने कहा, ''आइए, मिलकर एक ऐसी हुंकार बनें जिसे अनसुना करना नामुमकिन हो। कोटा से शुरुआत, फिर देश के हर कोने तक। ये आपके भविष्य की लड़ाई है। और मैं आपके साथ हूं।''

अमेरिका व ईरान के बीच हुआ शांति समझौता

▪ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका और ईरान ने अपने 107 दिन लंबे युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है।

▪ स्विट्जरलैंड में 19 जून को अमेरिका और ईरान के बीच शांति होंगे समझौते पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/वाशिंगटन/भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका और ईरान ने अपने 107 दिन लंबे युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो गया था।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा कि उनका देश स्विट्जरलैंड में 19 जून को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित किये जाने वाले समारोह की मेजबानी करेगा।

शांति समझौते का विवरण हालांकि तत्काल उपलब्ध नहीं कराया गया है।

ट्रंप ने रविवार शाम को ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सभी को बधाई। इस समझौते से वैश्विक ऊर्जा बाजारों ने राहत की सांस ली है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खोला जाएगा और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी समाप्त कर दी जाएगी। ट्रंप ने कहा, मैं मुक्त आवाजाही के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल पूरी तरह खोलने और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया के जहाजों, इंजन चालू करो। तेल का प्रवाह होने दो। हालांकि, एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य शुक्रवार को समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर होने के बाद ही खोला जाएगा। यह समझौता ऐसे दिन हुआ जब ट्रंप अपना 80वां जन्मदिन मना रहे थे। इस शांति समझौते को अंतिम रूप दिये जाने के साथ ही युद्ध और कूटनीति से भरे एक उथल-पुथल भरे हफ़्ते का समापन हुआ; इस दौरान अमेरिका ने ईरान पर हमले किए और अमेरिकी राष्ट्रपति ने आखिरी समय पर इस्लामी गणराज्य के तेल निर्यात केंद्र, खार्ग द्वीप पर कब्जा करने की अपनी धमकी वापस ले ली।

मोदी ने पश्चिम एशिया समझौते का स्वागत किया, शांति की उम्मीद जताई

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी

सहमति का सोमवार को स्वागत किया, साथ ही उम्मीद जताई कि इस समझौते के लागू होने से क्षेत्र में शांति बहाल करने और नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है। भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को अमल में लाने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत नीति

हम नहीं समर्थक हिंसा के,
आदर्श हमारे रहे बुद्ध।
हैं विश्व शांति के हम प्रहरी,
मन वचन कर्म से सदा शुद्ध।
जो मानवता पर घात करे,
उन दुष्टों पर ही हुए क्रुद्ध।
योद्धा हैं सबल शक्ति से युत,
पर नहीं चाहते कभी युद्ध।।

राजग सरकार ने 12 वर्षों में

आम नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर ध्यान केन्द्रित किया : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने पिछले 12 वर्षों में आम नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है और अवसरों तक आसान पहुंच, बेहतर बुनियादी ढांचे, उन्नत सार्वजनिक सेवाओं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि को बेहतर बनाने के लिए काम किया है।

अपनी सरकार को 'मध्यम वर्ग की सरकार' बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में काम करना उनके लिए सौभाग्य की बात है, क्योंकि इस वर्ग ने अनगिनत तरीकों से राष्ट्र-निर्माण में योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले एक दशक में शासन का ध्यान लगातार आम नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने पर केंद्रित रहा है। हमारे प्रयास अवसरों तक आसान पहुंच, बेहतर बुनियादी ढांचे, उन्नत सार्वजनिक सेवाएं, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छ शहरों और दैनिक जीवन में बोझ कम करने आदि का है।''

केंद्र सरकार के नागरिकों से जुड़ने के मुख्य मंच 'माई जीओवी इंडिया' में कहा गया है कि मोदी के नेतृत्व में, पिछले 12 सालों में भारत के मध्यम वर्ग के जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है। इसमें बेहतर आधारभूत ढांचा, बेहतर संपर्क, कर में राहत और सार्वजनिक सेवाओं के विस्तार का अहम योगदान रहा है।

इसमें कहा गया है कि बेहतर परिवहन से लेकर मज़बूत डिजिटल पहुंच तक, देश भर के लाखों परिवारों के लिए रोज़मर्रा की ज़िंदगी ज़्यादा आसान और अवसरों से भरी हो गई है।

'माई जीओवी इंडिया' के अनुसार, ग्रामीण और शहरी भारत में इंटरनेट के विस्तार के साथ संपर्क अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है।

केरल में महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा की योजना शुरू, सतीशन ने इसे 'निर्णायक कदम' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने एक प्रमुख चुनावी वादा पूरा करते हुए महिलाओं के लिए बस में मुफ्त यात्रा की योजना सोमवार को शुरू की, जिसे मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने नए केरल के निर्माण की दिशा में ''एक निर्णायक कदम'' बताया।

विपक्षी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने यह कहते हुए उद्घाटन का बहिष्कार किया कि यह योजना केवल साधारण केएसआरटीसी सेवाओं तक सीमित रखी गई है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यूडीएफ पर अपना वादा पूरी तरह लागू नहीं करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। 'प्रियदर्शिनी' योजना की शुरुआत के साथ केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक और तेलंगाना सहित अन्य उन दक्षिणी राज्यों में शामिल हो गया, जो महिलाओं को बस में मुफ्त यात्रा की सुविधा दे रहे हैं। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भी महिलाओं को इसी तरह की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री सतीशन ने यहां थम्पानूर स्थित केएसआरटीसी बस टर्मिनल पर योजना का उद्घाटन किया और इसे सरकार के लिए गर्व का क्षण बताया।

यूडीएफ सरकार ने सत्ता संभालने के एक महीने के भीतर यह वादा पूरा कर दिखाया। इस योजना के तहत राज्यभर की साधारण रोडवेज बसों में महिलाएं और ट्रांसजेंडर मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। डिपो में दीप प्रज्वलित कर इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोई खैरात नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक प्रभाव वाला एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी कदम है। उन्होंने कहा, ''हजारों महिलाएं हर रोज काम पर जाने, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कार्यालय और अन्य जरूरतों के लिए केएसआरटीसी बसों पर निर्भर हैं। यह योजना उनकी वित्तीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।'' सतीशन ने कहा कि सरकार योजना के क्रियान्वयन के लिए केएसआरटीसी को सालाना करीब 800 करोड़ रुपए देगी और यह भी कहा कि इससे राज्य परिवहन निगम पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''महिलाएं अब सम्मान और आत्मविश्वास के साथ यात्रा कर सकती हैं। वे गर्व से कह सकती हैं कि यह उनकी अपनी सरकार की बस सेवा है।''

परिवहन मंत्री सी.पी जॉन ने कहा कि सरकार का उद्देश्य राज्य परिवहन निगम (केएसआरटीसी) को और अधिक लोकतांत्रिक बनाना व सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ बनाना है। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने महिला यात्रियों के साथ बस में थम्पानूर से सचिवालय तक का सफर किया।

देश का निर्यात मई में 18 प्रतिशत बढ़कर 45.2 अरब डॉलर

नई दिल्ली/भाषा। देश का माल निर्यात मई में 18 प्रतिशत बढ़कर 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, आयात भी मई में 20.62 प्रतिशत बढ़कर 73.41 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, देश का निर्यात अप्रैल-मई के दौरान सालाना आधार पर 16.09 प्रतिशत बढ़कर 88.91 अरब डॉलर रहा है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत का मई में पश्चिम एशिया को निर्यात मामूली घटकर 5.30 अरब डॉलर रहा, जो मई 2025 में 5.38 अरब अमेरिकी डॉलर था। मंत्रालय के अनुसार, सोने का आयात अप्रैल-मई के दौरान 60 प्रतिशत बढ़कर 9.04 अरब डॉलर हो गया। अग्रवाल ने कहा कि रुझान को देखते हुए यह वर्ष निर्यात के लिए अच्छा रहेगा।

मप्र : इलेक्ट्रिक स्कूटर से 12वीं बोर्ड टॉपर के घर पहुंचे मोहन यादव, शुभकामनाएं दीं

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार को 12वीं कक्षा की राज्य बोर्ड परीक्षा की टॉपर चांदनी विश्वकर्मा से मिलने के लिए एक इलेक्ट्रिक स्कूटर से यहां एक झुग्गी बस्ती स्थित उसके घर पहुंचे और उसे उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

भोपाल के भीमनगर क्षेत्र निवासी 18 वर्षीय चांदनी विश्वकर्मा ने इस वर्ष मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 12वीं कक्षा की परीक्षा में प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। यादव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक भगवानदास सबनानी के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर से चांदनी के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की संकरी गलियों से होकर सफर किया।

मुख्यमंत्री ने चांदनी को उसकी उल्लेखनीय सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि उसकी उपलब्धि ने पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यादव ने बाद में कहा कि उनकी चांदनी और उसके परिवार से आत्मीय मुलाकात हुई तथा उन्होंने उनके साथ 'सेल्फी' भी ली।

आरटीआई अर्जी दायर करना नया धंधा बन गया है : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सड़क निर्माण के कार्य में सरकारी कर्मचारी के कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालने के आरोपी आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य लोगों को अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि सरकार से जानकारी मांगने के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत अर्जी दायर करना एक नया धंधा बन गया है। न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने आरटीआई कार्यकर्ता राकेश कुमार बहल और उनके सहयोगी की जमानत याचिका खारिज कर दी तथा सड़क निर्माण कार्य की निगरानी करने के उनके अधिकार पर सवाल उठाए। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, ''आरटीआई अर्जी दायर करना एक नया धंधा बन गया है। केंद्र सरकार ने निधि जारी कर दी है, यह सड़क निर्माण के कार्य की देखरेख करेगी। आपकी इसमें कोई भूमिका नहीं है। तथाकथित आरटीआई एक्टिविस्ट! याचिका खारिज की जाती है।''

आंध्र प्रदेश : घर में एक ही परिवार के तीन सदस्य मृत पाए गए

दुव्वरु (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में एक परिवार के तीन सदस्यों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान 65 वर्षीय मधुसूदन, उनकी 56 वर्षीय पत्नी रत्नावली और 26 वर्षीय बेटे साई सम्राट के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि मधुसूदन और रत्नावली अपने बेटे के भविष्य को लेकर परेशान थे क्योंकि उसे स्थायी नौकरी नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने बताया कि तीनों लोग संगम मंडल के दुव्वरु गांव स्थित अपने घर में मृत पाए गए। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, साई को रोजगार नहीं मिल पा रहा था, जिसके कारण तीनों (माता-पिता और बेटे ने) ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मधुसूदन सेवानिवृत्त शिक्षक थे जबकि उनके बेटे ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। पुलिस ने बताया कि एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है, जिसमें उनकी संपत्ति के बंटवारे के बारे में निर्देश दिए गए हैं।

अदाणी समूह और जैबिल ने बनाई देश में एआई डेटा सेंटर स्थापित करने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह और जैबिल इंक ने भारत में एआई और डेटा सेंटर अवसंरचना के एकीकृत विनिर्माण मंच स्थापित करने के मकसद से एक रणनीतिक साझेदारी की सोमवार को घोषणा की। इसका मकसद घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए एआई-तैयार हार्डवेयर का बड़े पैमाने पर उत्पादन करना है। कंपनियों ने कहा कि प्रस्तावित गठबंधन में जैबिल की इंजीनियरिंग और उन्नत विनिर्माण क्षमताओं को अदाणी समूह के अवसंरचना, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक और डेटा सेंटर परिसंपत्तियों के साथ जोड़ा जाएगा, ताकि एआई डेटा सेंटर अवसंरचना की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। इस गठबंधन के तहत भारत में उच्च घनत्व एआई रैक, सर्वर, स्टोरेज और नेटवर्किंग प्रणाली के लिए बहु-गीगावाट विनिर्माण क्षमता विकसित करने की योजना है। यह मंच पावर डिस्ट्रिब्यूशन यूनिट (पीडीयू), कूलेंट डिस्ट्रिब्यूशन यूनिट (सीडीयू), ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर, बस बार और थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम जैसे प्रमुख सहायक अवसंरचना घटकों का भी निर्माण करेगा। कंपनियों ने कहा कि इस पहल का लक्ष्य अगले सात वर्षों में एआई कंप्यूटिंग अवसंरचना में तीन हजार अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के वैश्विक बाजार अवसर को हासिल करना है।

मेट्रो रेल: मुख्यमंत्री रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री पर ऋण वितरण में अड़ंगा लगाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी पर हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) आईआरएफसी द्वारा 13,600 करोड़ रुपए का पुनर्वित्त ऋण जारी करने में अड़ंगा लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऋण वितरण के लिए इंडियन रेलवे फाइनेंस कार्पोरेशन (आईआरएफसी) को 1,400 करोड़ रुपए की 'मार्जिन मनी' और 84 करोड़ रुपए का प्रसंस्करण शुल्क (प्रोसेसिंग फीस) भी चुका चुकी है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य सरकार ने यह ऋण चार प्रतिशत ब्याज दर पर हासिल किया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को भी आठ से 11 प्रतिशत की दर पर ऋण मिले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आईआरएफसी इस ऋण में केवल एक मध्यस्थ की तरह है, क्योंकि मूल ऋण जापान द्वारा प्रदान किया जा रहा है। रेड्डी ने पत्रकारों से कहा, किशन रेड्डी ने 20 मई को केंद्रीय शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और 21 मई को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। उन्होंने उनसे कहा था कि रेवंत रेड्डी के लिए काम इतनी आसानी से सुलभ कर देंगे, तो भाजपा के लिए तेलंगाना में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा। इसी अड़चन के कारण केंद्र ऋण जारी नहीं कर रहा है। यही वजह है कि मैं इतने दिनों से किशन रेड्डी के पीछे हूं।

जिला परिषद के स्कूल 90 फीसदी निजी संस्थानों से बेहतर: मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में जिला परिषद (जिप) द्वारा संचालित स्कूल 90 प्रतिशत निजी स्कूलों से बेहतर हैं।

फडणवीस ने रायगढ़ जिले के एक सरकारी स्कूल में 'डिजिटल प्रयोगशाला' का उद्घाटन करने के बाद कहा कि जिला परिषद के स्कूलों को लेकर जो नकारात्मक धारणा थी, वह अब काफी हद तक दूर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने के लिए पूरे महाराष्ट्र के स्कूलों में संबंधित की सुविधाएं तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जिला परिषद के स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा, 90 प्रतिशत निजी स्कूलों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा से कहीं बेहतर है।'' उन्होंने दावा किया कि एक समय था जब जिला परिषद के स्कूल जर्जर भवनों में संचालित होते थे और वहां बुनियादी सुविधाओं की कमी थी, लेकिन आज उनमें से अधिकांश, निजी विद्यालयों के बराबर हैं और कुछ मामलों में तो उनसे भी बेहतर हैं। फडणवीस ने कहा, जिला परिषद के स्कूलों के साथ जुड़ी हीनभावना अब खत्म हो गयी है।

अप्रैल में देश का चालू खाता 4.7 अरब डॉलर के अधिशेष में रहा: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारत का चालू खाता अप्रैल माह में 4.7 अरब डॉलर के अधिशेष में रहा जबकि एक साल पहले के समान माह में यह 4.8 अरब डॉलर के घाटे में था। मुख्य रूप से सेवाओं का निर्यात बढ़ने और विदेश से मिलने वाली रकम में बढ़ोतरी से ऐसा हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से सोमवार को भुगतान संतुलन (बीओपी) के बारे में जारी प्रारंभिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में आयात खर्च बढ़कर 72.5 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 65.8 अरब डॉलर था। वहीं, इस महीने में निर्यात 44.6 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल, 2025 में 38.7 अरब डॉलर था। हालांकि, वस्तु व्यापार घाटा अप्रैल, 2026 में बढ़कर 27.9 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 27.1 अरब डॉलर था। आलोच्य अवधि में सेवा क्षेत्र से शुद्ध प्राप्तियां बढ़कर 18.6 अरब डॉलर हो गईं, जो अप्रैल, 2025 में 15.9 अरब डॉलर थीं। इस दौरान सेवाओं का निर्यात 37 अरब डॉलर और आयात 18.4 अरब डॉलर रहा।

मुख्यमंत्री नायडू ने सिंगापुर में आंध्र प्रदेश को निवेश गंतव्य के तौर पर किया पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने उद्यम पूंजी और स्टार्टअप निवेशकों को राज्य में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए सोमवार को आमंत्रित किया। उन्होंने साथ ही राज्य के बढ़ते औद्योगिक परिवेश, नवाचार अवसंरचना और निवेशक-अनुकूल नीतियों को रेखांकित किया मुख्यमंत्री की सिंगापुर की दो दिवसीय यात्रा के दौरान सरकारी अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों और निवेशकों के साथ बैठकें प्रस्तावित हैं। इन बैठकों का उद्देश्य आंध्र प्रदेश में अवसंरचना, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, शिक्षा और कौशल विकास क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना एवं साझेदारी के अवसर तलाशना है।

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले, वहां के नगर प्रशासन मंत्री पी. नारायण तथा स्टार्टअप क्षेत्र के उद्यम पूंजी निवेशकों ने गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया। प्रेस विज्ञप्ति में नायडू ने कहा, ''औद्योगिक परियोजनाएं स्थापित करने के लिए यह बहुत सही समय है और मैं निवेशकों से आगे आने का आग्रह करता हूं। उद्यम पूंजी निवेशकों के पास रतन टाटा नवाचार केंद्र के माध्यम से विकसित और संवर्धित स्टार्टअप में निवेश करने के अवसर उपलब्ध है।'' उन्होंने कहा कि भारत तेज गति से आर्थिक वृद्धि हासिल कर रहा है और चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी उत्पादों सहित उन्नत उपकरणों के विनिर्माण में अग्रणी बनकर उभरा है। नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास कार्यक्रमों और निवेश परियोजनाओं में किसी प्रकार की देरी नहीं होने दी है। अंबुले ने कहा कि हरित ऊर्जा और सेमीकंडक्टर परिवेश के विकास में सिंगापुर काफी आगे है और वह भारत के विभिन्न राज्यों के साथ काम करना का इच्छुक है। इसके अलावा नायडू ने संयुक्त राष्ट्र-हैबिटेट और गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी का प्रस्ताव रखा तथा सिंगापुर स्थित कंपनियों को राज्य में लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल अवसंरचना और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में निवेश के अवसर तलाशने का निमंत्रण दिया।

नायडू ने संयुक्त राष्ट्र-हैबिटेट की कार्यकारी निदेशक एना क्लाउडिया रोसबाख, गूगल क्लाउड एशिया-प्रशांत के अध्यक्ष करण बाजवा तथा वाईसीएच लॉजिस्टिक्स समूह के परिचालन प्रमुख सुनील नाबियार से भी मुलाकात की।

आईवीएफ के जरिये पैदा हुए जुड़वां बच्चों का माता-पिता से नहीं मिला डीएनए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। दिल्ली के एक दंपति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया है कि कृत्रिम रूप से भ्रूण तैयार करने की प्रक्रिया (आईवीएफ) के तहत पैदा हुए उनके जुड़वां बच्चों का डीएनए कथित तौर पर माता-पिता में से किसी से भी मेल नहीं खाया है।

इस खुलासे ने संबंधित अस्पताल में भ्रूण के रखरखाव की सुरक्षा एवं गोपनीयता से जुड़े नियमों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पेशे से बिल्डर राहुल राठौर (41) और उनकी पत्नी मीनू (39) ने दावा किया कि वे आईवीएफ केंद्र पर गंभीर सवाल उठाने के बाद डर के साए में गुरुग्राम में रह रहे हैं। दंपति ने कहा कि उन्हें केवल उनके अपने खुद के बच्चे चाहिए। राठौर ने कहा कि दिल्ली की एक अदालत के आदेश पर 31 मार्च को ग्रेटर कैलाश थाने में संबंधित आईवीएफ केंद्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राठौर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, इसके बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है और हम पर हर तरफ से दबाव डाला जा रहा है, लेकिन हम तब तक शांत नहीं बैठेंगे जब तक हमें हमारे बच्चे वापस नहीं मिल जाते। शिकायतकर्ता के अनुसार, यह मामला दिसंबर 2024 में शुरू हुआ, जब दंपति ने डॉ. रितु गर्ग से परामर्श किया। उन्होंने दंपति को आईवीएफ उपचार के लिए डॉ. मनप्रीत कौर से मिलवाया और इसके बाद उन्हें नई दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 स्थित 'एससीआई हॉस्पिटल' भेज दिया गया। आरोप है कि वहां उनकी मुलाकात आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. शिवानी सचदेवा से कराई गई, जिन्होंने उनका उपचार किया। राठौर ने बताया कि पिछले साल नौ जनवरी को आईवीएफ प्रक्रिया के तहत एससीआई हॉस्पिटल में चिकित्सा परीक्षण किए गए थे।

जनसेना पार्टी का दक्षिणी राज्यों में विस्तार करना चाहते हैं: नादेंडला मनोहर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र और आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी जनसेना पार्टी (जेएसपी) ने सोमवार को कहा कि वह अन्य दक्षिणी राज्यों में ''स्वाभाविक'' तरीके से अपना विस्तार करना चाहती है। पार्टी ने परिसीमन के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राजग के फैसले के साथ खड़े रहने की बात दोहराई। जेएसपी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के खाद्य मंत्री नादेंडला मनोहर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमारी आकांक्षाएं क्षेत्रीय हैं, लेकिन हमारी सोच राष्ट्रीय है। हम अन्य दक्षिणी राज्यों में पार्टी का विस्तार करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि पार्टी तेज गति से विस्तार का दावा नहीं कर रही है और प्रत्येक राज्य के लिए अलग रणनीति तैयार करनी होगी। अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण द्वारा 2014 में स्थापित जेएसपी के वर्तमान में आंध्र प्रदेश में तीन सांसद, 21 विधायक और तीन विधान परिषद सदस्य हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड : वायरल वीडियो के सिलसिले में भाजपा के पूर्व विधायक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/हरिद्वार/भाषा। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित 'वीआईपी' के नाम के खुलासे से जुड़े वायरल ऑडियो-वीडियो क्लिप की जांच के सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक सुरेश राठौर को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (नगर) प्रमोद कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राठौर को हरिद्वार के बुग्गावाला क्षेत्र स्थित उनके कार्यालय से हिरासत में लिया गया और फिर देहरादून के डालनवाला थाने लाया गया, जहां उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई राठौर की ओर से तीन दिन पहले किये गए संवाददाता सम्मेलन के बाद हुई है।

राठौर ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा था कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ बहादराबाद और झबरेड़ा थानों में दर्ज चार प्राथमिकी में से दो को रद्द कर दिया है। राठौर के खिलाफ ये प्राथमिकी मामले से जुड़े आपत्तिजनक ऑडियो-वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में दर्ज की गई थीं। पूर्व विधायक ने कहा था कि डालनवाला और नेहरू कॉलोनी थानों में दर्ज बाकी दो मामलों की जांच जारी है। उन्होंने कहा था कि वह अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने चार जून को इस मामले में राठौर के खिलाफ दर्ज चार प्राथमिकी में से दो को रद्द कर दिया था। हालांकि, न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकल पीठ ने बाकी दो मामलों में पुलिस जांच जारी रखने की अनुमति दे दी थी। शिकायतकर्ता दुष्यंत गौतम और आरती गौर ने दलील दी थी कि उन्हें बदनाम करने के मकसद से संबंधित सामग्री जानबूझकर साझा की गई थी। मामले में सार्वजनिक किए गए क्लिप में राठौर ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी गौतम की कथित तौर पर 'वीआईपी' के तौर पर पहचान की थी।

पुलिस के मुताबिक, गौतम ने पांच जनवरी को डालनवाला थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया कि हरिद्वार के शास्त्री नगर के रहने वाले राठौर (66) ने अभिनेत्री उर्मिला सनावर और कुछ राजनीतिक दलों के साथ मिलकर साजिश रची थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि आरोपी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को बदनाम करने और जन आक्रोश भड़काने के लिए झूठे ऑडियो-वीडियो क्लिप तैयार किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

नाम परिवर्तन
मैं जयश्री बेन, धर्मपत्नी, नं. 15227863एफ हवलदार परमार लखमनभाई जीवाभाई, यूनिट : एचक्यू आरटीडी जोन, बंगलूरु कर्नाटक ने अपना नाम जयश्री बेन से बदलकर परमार जयश्री बेन लखमनभाई कर लिया है, जिनकी जन्मतिथि 21.12.1990 है। मैंने यह घोषणा शपथ पत्र के माध्यम से दिनांक 12/06/2026 को पब्लिक नोटरी एल. गोपीकृष्ण के समक्ष सत्यापित की है।

'कलैगनार महिला अधिकार योजना' जारी रखेगी : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने 'कलैगनार महिला अधिकार अनुदान योजना' को जारी रखा है। पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में सोमवार को 1,000 रुपये की जून महीने की किस्त जमा की गई, जिससे राज्यभर की लाखों महिलाओं को राहत मिली है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान विजय ने कई कल्याणकारी वादे किए थे, जिनमें घर संभालने वाली महिलाओं के लिए 2,500 रुपए की मासिक सहायता, बेरोजगार ग्रेजुएट युवाओं के लिए 4,000 रुपए का मासिक बेरोजगारी भत्ता और पूरे तमिलनाडु में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शामिल थी। टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत और विजय के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद, कई लोगों को उम्मीद थी कि सरकार महिलाओं के लिए वादा किया गया 2,500 रुपए का मासिक भत्ता तुरंत शुरू कर देगी। हालांकि, पद संभालने के बाद, विजय ने तीन बड़ी कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी फाइलों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना भी शामिल थी।

बाद में मुख्यमंत्री ने धैर्य रखने की अपील की और कहा कि सरकार को अपने चुनावी वादों को चरणबद्ध और आर्थिक रूप से टिकाऊ तरीके से पूरा करने के लिए समय चाहिए। वादा की गई 2,500 रुपये की मासिक सहायता को लागू करने में देरी के कारण 'कलैगनार महिला

जमा की गई जून की किस्त

अधिकार अनुदान योजना' के भविष्य पर सवाल उठने लगे, जिसे पिछली द्रमुक सरकार ने शुरू किया था। यह मुद्दा तमिलनाडु विधानसभा में भी चर्चा का विषय बना, जहां विपक्ष के सदस्यों ने यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या नई सरकार के तहत मौजूदा कल्याणकारी कार्यक्रम जारी रहेगा। इन चिंताओं का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री विजय ने सदन को भरोसा दिलाया कि महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाले कल्याणकारी उपायों को अचानक बंद नहीं किया जाएगा। उनके बयान से उन लाभार्थियों को राहत मिली जो मासिक आर्थिक सहायता पर निर्भर हो गए थे।

मुख्यमंत्री विजय ने कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने और उनके पुनर्गठन के संबंध में वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ भी बातचीत की। कुछ वित्तीय प्रतिबद्धताओं की समीक्षा के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता के बारे में उनकी टिप्पणियों से यह अटकलें तेज हो गई थीं कि महिला अनुदान योजना के तहत भुगतान में देरी हो सकती है। इन चिंताओं के बावजूद, मई की किस्त समय पर लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी गई। जून की किस्त भी हमेशा की तरह महीने की 15 तारीख को ट्रांसफर कर दी गई, जो विजय सरकार के सत्ता संभालने के बाद से लगातार दूसरी मासिक अदायगी थी। समय पर ट्रांसफर से पूरे तमिलनाडु में लाभार्थियों को यह भरोसा मिलने की उम्मीद है कि मौजूदा महिला कल्याण कार्यक्रम जारी रहेगा, भले ही सरकार अपने व्यापक चुनावी वादों को लागू करने की दिशा में काम कर रही हो। योजना के जारी रहने का लाभार्थियों ने स्वागत किया है, जिनमें से कई लोग घर के खर्चों और अन्य जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए इस मासिक सहायता पर निर्भर हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने मीनाक्षी सुंदरम को 48 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कीर्ति चक्र से नवाजे गए लांस नायक ए. मीनाक्षी सुंदरम को आतंकवाद रोधी एक अभियान के दौरान उनकी बहादुरी के लिए सोमवार को राज्य सरकार की ओर से 48 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। सुंदरम को यहां सचिवालय में तमिलनाडु पूर्व-सैनिक कल्याण कोष की ओर से चेक सौंपा गया। इस मौके पर मीनाक्षी सुंदरम के परिवार के सदस्य और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद थे।

थेनी जिले के रहने वाले सुंदरम आर्टिलरी रेजिमेंट से जुड़े हैं और 34 राष्ट्रीय राइफल्स में सेवा दे रहे हैं। वह 19 दिसंबर 2024 को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान चेहरे और दाहिने कंधे पर गोली लगने से घायल हो गए थे। गंभीर दर्द और चोटों के बावजूद उन्होंने अदम्य साहस और असाधारण वीरता का परिचय देते हुए भीषण मुठभेड़ में एक आतंकवादी को मार गिराया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आठ जून को नयी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में उनके अदम्य साहस, हिम्मत और असाधारण वीरता के लिये उन्हें कीर्ति चक्र प्रदान किया।

मुख्यमंत्री विजय और पत्नी संगीता के तलाक मामले की सुनवाई टली, अगली सुनवाई 7 अगस्त को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय और उनकी पत्नी संगीता के बीच चल रहे तलाक के मामले की सुनवाई एक बार फिर टल गई है।

चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में सोमवार को इस मामले पर सुनवाई होनी थी लेकिन दोनों पक्षों के अदालत में उपस्थित न होने के कारण सुनवाई आगे बढ़ानी पड़ी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। चेंगलपट्टूस फैमिली कोर्ट में सोमवार जब मामले की सुनवाई हुई तो न तो मुख्यमंत्री विजय अदालत पहुंचे और न ही उनकी पत्नी संगीता उपस्थित हुईं। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से उनके वकील अदालत में मौजूद रहे और उन्होंने पैरवी की। दोनों की गैरहाजिरी को देखते हुए कोर्ट ने मामले की अगली तारीख तय कर दी। यह पहली बार नहीं है जब इस मामले की सुनवाई टली हो। इससे पहले भी कई मौकों पर विजय और संगीता अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए थे। दोनों पक्षों की ओर से अदालत से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में शामिल होने की अनुमति मांगी गई थी। बताया गया कि मुख्यमंत्री पद पर होने के कारण विजय को सुरक्षा से जुड़े प्रोटोकॉल को फॉलो करना पड़ता है। इससे पहले अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करते हुए मामले की सुनवाई 15 जून तक के लिए स्थगित कर दी थी।

गौरतलब है कि संगीता ने दिसंबर 2025 में चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में शादी को खत्म करने की मांग करते हुए कहा था कि पति-पत्नी के बीच ऐसे मतभेद पैदा हो गए हैं जिन्हें सुलझाना संभव नहीं है। उन्होंने अदालत से गुजारा भत्ता देने की मांग भी की थी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय तमिल फिल्म इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता रहे हैं और बाद में राजनीति में सक्रिय होकर टीवीके के प्रमुख बने। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी सार्वजनिक छवि और भी मजबूत हुई है। ऐसे में उनके निजी जीवन से जुड़ा यह मामला लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। राजनीतिक विश्लेषक और मीडिया संस्थान इस मामले की हर सुनवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी से तमिलनाडु में ताड़ीबंदी पर फिर छिड़ी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु में ताड़ी (टोडी) निकालने और उसकी बिक्री पर लगभग चार दशक पुराने प्रतिबंध को हटाने की मांग एक बार फिर चर्चा में आ गई है। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने राज्य सरकार को ताड़ी उत्पादन और विपणन को बढ़ावा देने के उपायों पर विचार करने की सलाह दी है, जिसके बाद इस मुद्दे पर नई बहस शुरू हो गई है। किसानों, ताड़ी निकालने वाले श्रमिकों, कृषि विशेषज्ञों और ग्रामीण आजीविका से जुड़े संगठनों का कहना है कि यदि ताड़ी उत्पादन को नियमन के साथ अनुमति दी जाए तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य में बड़ी संख्या में मौजूद ताड़ (पालमायरा) के पेड़ों का संरक्षण भी होगा। यह मामला तेनकासी जिले में एक ताड़ी निकालने वाले व्यक्ति से जुड़े एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान सामने आया। सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति बी. पुगालेंधी ने सरकार को सुझाव दिया कि ताड़ी निकालने को प्रोत्साहित किया जाए और इसके पोषण संबंधी तथा अन्य लाभकारी गुणों का प्रचार-प्रसार किया जाए। गौरतलब है कि तमिलनाडु में 1 जनवरी 1987 से ताड़ी निकालने और उसकी बिक्री पर मिलावट

की आशंका को देखते हुए प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि, पड़ोसी राज्य केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में लाइसेंस प्राप्त दुकानों के माध्यम से ताड़ी की बिक्री की अनुमति है।

मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी का स्वागत करते हुए तमिलनाडु टोडी मूवमेंट के समन्वयक सी. नल्लासामी ने कहा कि उनका संगठन लंबे समय से इस प्रतिबंध को हटाने की मांग कर रहा है। उनके अनुसार ताड़ी केवल मादक पेय नहीं, बल्कि पारंपरिक खाद्य उत्पाद है और सरकार को पड़ोसी राज्यों की तर्ज पर नीति अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध हटने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ मिलेगा और ताड़ तथा नारियल आधारित व्यवसायों पर निर्भर हजारों परिवारों की आजीविका मजबूत होगी। नल्लासामी का कहना है कि ताड़ के पेड़ पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हें कम पानी की आवश्यकता होती है, ये विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में आसानी से विकसित होते हैं और कई पारंपरिक उद्योगों का आधार हैं।

कृषि अर्थशास्त्री ए.पी. पलानीचामी ने भी कहा कि ताड़ी पीढ़ियों से ग्रामीण खाद्य संस्कृति का हिस्सा रही है और प्राकृतिक किण्वन के कारण इसमें अल्कोहल की मात्रा अपेक्षाकृत कम होती है। उन्होंने बताया कि केरल और आंध्र प्रदेश में ताड़ी की नियंत्रित बिक्री से सरकार को अच्छा राजस्व मिलता है और वहां फ्लेवर्ड तथा वैल्यू-एडेड ताड़ी उत्पाद भी विकसित किए गए हैं। हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद विभिन्न हितधारकों ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ संतुलन बनाते हुए ताड़ी उद्योग को विनियमित तरीके से संचालित करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करे, ताकि पारंपरिक आजीविका, ग्रामीण रोजगार और ताड़ के पेड़ों के संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, चीफ सेक्रेटरी शालिनी रजनीश, मुख्यमंत्री के इकोनॉमिक एडवाइजर एलके अतीक, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी तुषार गिरिनाथ, कोऑपरेटिव डिपार्टमेंट के शेट्टानावर, रजिस्ट्रार डॉ. वेंकटेश, -पीएमसी डायरेक्टर डॉ. नल्लाकुंटे वेंकटेशैया और दूसरे लोगों ने सोमवार को विधान सौधा में हुई मीटिंग में हिस्सा लिया।

अन्नाद्रमुक के बागी नेताओं पर पलानीस्वामी का रुख सख्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी उन बागी विधायकों और नेताओं को संगठनात्मक पद वापस देने के पक्ष में नहीं हैं, जिनसे विधानसभा में विश्वास मत के दौरान सत्तारूढ़ टीवीके सरकार का समर्थन करने के बाद उनकी जिम्मेदारियां छीन ली गई थीं। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इसके संकेत दिए हैं। विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन और पार्टी के अलग-अलग स्तरों पर नेताओं के बागी होने के बाद एआईएडीएमके फिर से संगठित होने की कोशिश कर रही है। के. पलानीस्वामी भी संगठन पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने और विरोध को उभरने से रोकने के प्रयासों में जुटे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि चुनावी हार और विधानसभा में पार्टी के तीसरे स्थान पर खिसकने के कारण कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने राजनीतिक भविष्य पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों के बावजूद पलानीस्वामी ने आत्मविश्वास दिखाया है और संगठन के भीतर अपना अधिकार मजबूत करने की कोशिश की है। हाल के हफ्तों में एआईएडीएमके प्रमुख ने बागी खेमे से जुड़े कई नेताओं के साथ सुलह करने के लिए कदम उठाए हैं। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत छीने गए संगठनात्मक पदों को वापस देने के मामले में उन्होंने एक स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींच दी है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि ऐसे नेताओं को बहाल करने से आंतरिक अनुशासन कमजोर हो सकता है और पार्टी के भीतर प्रभाव के प्रतिस्पर्धी केंद्र बन सकते हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पलानीस्वामी इस बात को लेकर भी सचेत हैं कि ऐसे कदम से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच क्या संदेश जाएगा। पार्टी नेतृत्व को खुलेआम चुनौती देने वाले पदाधिकारियों को बहाल करने को अनुशासनहीनता को इनाम देने के तौर पर देखा जा सकता है और इससे जनरल सेक्रेटरी का अधिकार कमजोर हो सकता है। फिलहाल, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस बात के बहुत कम संकेत हैं कि हटाए गए नेताओं को उनकी पुरानी संगठनात्मक भूमिकाएं वापस मिलेंगी।

पूर्व मंत्री एसपी वेलुमणि को मुख्यालय सचिव के पद से हटाया गया था। वहीं सीवी शनमुगम से संगठन सचिव और विलुप्पुरम जिला सचिव के पद वापस ले लिए गए थे। हालांकि अधिकांश असंतुष्ट नेताओं को सुलह प्रक्रिया में शामिल कर लिया गया है, लेकिन शनमुगम अभी भी नेतृत्व की पहल से काफी हद तक अलग-थलग बने हुए हैं। गौरतलब है कि एआईएडीएमके तमिलनाडु के हालिया विधानसभा चुनाव में सिर्फ 47 सीटें ही जीत पाई। इसके कारण मुख्य विपक्षी पार्टी के तौर पर उसकी लंबे समय से चली आ रही स्थिति भी छिन गई।

वेणुगोपाल ने मोहन भागवत के कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर कुलपतियों की आलोचना की

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने केरल के विश्वविद्यालयों के तीन कुलपतियों के राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के एक कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर सोमवार को उन पर तीखा हमला बोला और उन पर राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र को आरएसएस के अनुरूप ढालने का प्रयास करने का आरोप लगाया। केरल विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय और मलयालम विश्वविद्यालय के कुलपति शनिवार को तिरुवनंतपुरम में आयोजित आरएसएस के शताब्दी समारोह में शामिल हुए थे। अलप्पुझा से सांसद वेणुगोपाल ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि केरल का उच्च शिक्षा क्षेत्र अपनी अकादमिक उत्कृष्टता, धर्मनिरपेक्ष सोच व लोकतांत्रिक चरित्र के लिए जाना जाता है लेकिन अब उसे आरएसएस के दायरे में लाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों से उच्च शिक्षा क्षेत्र को निष्पक्ष और धर्मनिरपेक्ष दिशा देने की उम्मीद की जाती है, वे ही आरएसएस के एजेंडे को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। वेणुगोपाल ने कहा, यह केरल के लिए शर्म की बात है कि ये तीनों कुलपति अब भी विश्वविद्यालयों का नेतृत्व कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि तीनों कुलपतियों को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और अकादमिक निष्पक्षता का दिखावा करने के बजाय खुलकर आरएसएस से जुड़ जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा से प्रभावित लोग प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों का नेतृत्व करने के योग्य नहीं हैं। वेणुगोपाल ने तीनों कुलपतियों से पद छोड़ने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कुलपति अपने पदों से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उन्हें संविधानिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्ष सोच में विश्वास रखने वाले लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि समृद्ध शैक्षणिक विरासत वाले विश्वविद्यालयों का नेतृत्व करने के लिए आरएसएस नेताओं के प्रति निर्विवाद निष्ठा नहीं, बल्कि शैक्षणिक उत्कृष्टता, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों, लोकतंत्र और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य संविधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

द्रमुक ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, 'इंडि' गठबंधन की 'एकता को नुकसान पहुंचाने' का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के प्रमुख विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सोमवार को सवाल किया कि क्या कांग्रेस के लिए यह शर्मनाक नहीं है कि वह राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों को सत्ता में आने से रोकने के लिए हर तरह के ''अनैतिक हथकंडे'' अपनाती है और बाद में लोकसभा चुनाव के समय उन्हीं दलों से समर्थन मांगती है। द्रमुक ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि 23 अप्रैल को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से उसकी 'पीठ में छुरा घोंपा गया' और यह सब पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी के आशीर्वाद से हुआ। साथ ही द्रमुक ने 'इंडि' गठबंधन की हालिया बैठक में एकता का पाठ पढ़ाने' को लेकर उनका मखौल भी उड़ाया।

द्रमुक के मुखपत्र 'मुरासोली' ने एक संपादकीय में कहा कि ''राहुल गांधी ने एकता पर भाषण दिया है और मुखपत्र ने इसे 'ज्ञान देर से प्राप्त होने' का मामला बताया। इसमें सवाल किया गया, क्या हर राज्य में इसी एकता को नुकसान पहुंचाने वाले स्वयं राहुल गांधी नहीं हैं?'' इसमें कहा गया है कि 11 जून को राहुल गांधी ने 'इंडि' गठबंधन के नेताओं की बैठक में दिया अपना भाषण जारी किया, क्योंकि कांग्रेस के खिलाफ 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों द्वारा लगाए गए आरोप सार्वजनिक चर्चा में व्यापक रूप से फैल गए थे। ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई कि लोकसभा में विपक्ष के नेता पर दबाव बना कि वे अपना भाषण कांग्रेस की वेबसाइट पर जारी करें।

मुरासोली ने दावा किया कि वाम दल, समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने राहुल गांधी की कड़ी आलोचना करते हुए यह रेखांकित किया कि उनके रवैया से विपक्षी एकता कैसे कमजोर हुई। मुखपत्र ने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास का भाषण विशेष रूप से महत्वपूर्ण था। संपादकीय में कहा गया कि केरल में कांग्रेस और माकपा, दोनों प्रभावशाली राजनीतिक दल हैं और अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा और इसके लिए किसी ने भी उन्हें दोषी नहीं ठहराया, लेकिन राहुल गांधी द्वारा लगाए गए ''आरोप बेतुके'' थे।

मुखपत्र के अनुसार, चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने सवाल किया था, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने (तत्कालीन मुख्यमंत्री) पिनराई विजयन को गिरफ्तार क्यों नहीं किया? दोनों के बीच कोई एक गुप्त समझौता है।'' मुरासोली ने कहा कि माकपा ने इसे गंभीर आरोप माना था। मुखपत्र के अनुसार, ब्रिटास ने 'इंडि' गठबंधन की बैठक में आरोप लगाया कि केरल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने वाम दलों और भाजपा के बीच एक गुप्त समझौते का दावा करके साफ साफ झूठ बोला था। मुखपत्र के अनुसार, उन्होंने साथ ही कहा कि वाम दलों को भाजपा-विरोधी रुख साबित करने के लिए कांग्रेस से किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। संपादकीय में कहा गया कि ''राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कि वाम अब वाम नहीं रहा'', भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) महासचिव डी राजा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे राहुल गांधी की ''राजनीतिक अपरिपक्वता'' बताया। इसके अनुसार हालांकि राहुल गांधी ने जवाब देते हुए कहा था कि उन्होंने जो कुछ भी कहा वह तथ्यों पर आधारित था और उनका तर्क था कि केरल में वह वामपंथी सरकार ही थी जो अदाणी समूह को राज्य में लेकर आई थी।

मुरासोली ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव का भी हवाला दिया, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'इंडि' गठबंधन से द्रमुक और 'आम आदमी पार्टी' (आप) का बाहर निकलना एक बड़ा झटका है। यादव ने कहा था कि इस पूरे मामले का गंभीरता से विश्लेषण किया जाना चाहिए कि क्या इंडिया' गठबंधन को इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। द्रमुक के मुखपत्र ने राजद नेता तेजस्वी यादव के हवाले से कहा कि उन्होंने कहा था कि उन्हें संदेह है कि बिहार में कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच कई मुद्दों पर गुप्त समझौते हो सकते हैं। यादव ने कहा कि उन्होंने यह बात कई बार कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष उठाई, लेकिन स्थिति को सुधारने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। मुरासोली के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि वे पिनराई विजयन को गले नहीं लगा सकते। इस पर मुरासोली ने सवाल किया, क्या वे वही व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गले लगाया था? क्या वह दृश्य कोई भूल सकता है?

संपादकीय के अनुसार, ''किसी ने भी राहुल गांधी से पिनराई विजयन को गले लगाने के लिए नहीं कहा। बल्कि हम उनसे यह अपेक्षा कर रहे हैं कि वे विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी की मांग करके ईडी और मोदी सरकार के एक सहायक की तरह काम करना बंद करें। यह विपक्षी नेता का काम नहीं है।'' कांग्रेस के द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन से बाहर निकलने और तमिलनाडु में सत्ताधारी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) में शामिल होने के घटनाक्रम के बीच, मुरासोली ने कहा कि तमिलनाडु में क्या हुआ, यह सभी जानते हैं। इसमें आरोप लगाया गया, ''द्रमुक के साथ गठबंधन में रहते हुए कांग्रेस ने जो पीठ में छुरा घोंपने का काम किया, वह राहुल गांधी के आशीर्वाद से किया गया।''

तमिलनाडु में तीन साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोप में प्रवासी मजदूर गिरफ्तार

चेन्नई। तिरुवल्लूर जिले के गुमिडीपुंडी के पास तीन साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में बिहार के 19 वर्षीय एक प्रवासी मजदूर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पीड़िता बिहार के ही रहने वाले प्रवासी मजदूर दंपत्ति की बेटी थी और सोमवार सुबह यहां के सरकारी स्टेनली अस्पताल में गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। स्थानीय पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना रविवार रात गुमिडीपुंडी उपसंभाग के सिपकॉट थाना क्षेत्र में हुई। आरोप है कि बच्ची जब अपने घर के पास खेल रही थी, तब आरोपी उसे चॉकलेट दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर दूर ले गया और एक सुनसान जगह पर उसका यौन उत्पीड़न किया।

पुलिस के मुताबिक, वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने यह देखा और तुरंत शोर मचाया, जिससे स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और भाग रहे आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि उसे सिपकॉट पुलिस टीम को सौंप दिया गया और औपचारिक रूप से हिरासत में ले लिया गया। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में तिरुवल्लूर जिला पुलिस ने गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि इस अपराध में सिर्फ एक व्यक्ति शामिल था। अधिकारिक के बयान में कहा गया, सूचना मिली थी कि गुमिडीपुंडी उपसंभाग के सिपकॉट थाना क्षेत्र में एक बच्ची का यौन उत्पीड़न हुआ। तुरंत मामला दर्ज किया गया और शुरुआती जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने पुष्टि की कि आरोपी और पीड़िता दोनों बिहार के रहने वाले हैं। उसने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस ने आरोपी पर कानून की संबंधित धाराओं के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को औपचारिक न्यायिक रिमांड के लिए स्थानीय अदालत में पेश किया गया है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले में एक सड़क दुर्घटना में तीन बच्चों समेत एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र के हेमासर फांटा के पास उस समय हुआ, जब एक कार की सामने से आ रहे डंपर ट्रक से टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि कार में सवार लोग मुकाम स्थित जंभेश्वर मंदिर के दर्शन कर हरियाणा लौट रहे थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़ ने बताया कि कार में सात लोग सवार थे, जिनमें से छह की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान कार चालक ओमप्रकाश बिश्नोई (50), उनकी पत्नी सोरमा देवी (45), बेटी प्रमिला (30) तथा प्रमिला के बच्चों रोनित (11), यश्वी (10) और खुशी (8) के रूप में हुई है। सभी हरियाणा के फतेहाबाद जिले के निवासी थे। उन्होंने बताया कि प्रमिला की दो वर्षीय बेटी तन्वी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे बीकानेर के प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पीबीएम) अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए श्रीडूंगरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

नागौर जिले में सड़क हादसा, एक ही परिवार की तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में सोमवार को सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हुए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा लूणी नदी पर से गुजरने के रास्ते के पास हुआ जब एक वैन और निजी बस की टक्कर हो गई।

वैन में सवार सभी आठ लोग एक ही परिवार के थे और सोमवती अमावस्या के मौके पर पवित्र स्नान के लिए पुष्कर जा रहे थे। जसनगर के पास आगे चल रही गाड़ी से आगे निकलने के कोशिश के दौरान वैन सामने से आ रही बस से टकरा गई। टक्कर के बाद वैन पलट गई। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य किया। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जितेंद्र (40), शीला (35) और सात साल की बच्ची मन्नू के तौर पर हुई है। घायलों का इलाज चल रहा है।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में इसी माह शुरू होगा पेट्रोल-डीजल उत्पादन : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना, पचपदरा (बालोतरा) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परियोजना से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पेट्रो उत्पादों का उत्पादन शीघ्र प्रारम्भ करने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने समीक्षा के दौरान बताया कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में पेट्रोल एवं डीजल के उत्पादन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं तथा इसी माह उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है।

समीक्षा बैठक में रिफाइनरी परियोजना की वर्तमान स्थिति, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि यह परियोजना राज्य के औद्योगिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाए रखते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्यों को पूर्ण करें। बैठक के दौरान परियोजना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से परियोजना के शेष कार्यों में तेजी लाने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, खान एवं पेट्रोलियम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा तथा विशिष्ट शासन सचिव नम्रता वृष्णि सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आमजन की समस्याओं का अंतिम पड़ाव साबित हो रहे 'शहरी सेवा शिविर' : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सांगानेर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित नागरिकों से संवाद कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शिविर के संबंध में फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने नामांतरण, भू-उपयोग परिवर्तन, सड़कों की मरम्मत एवं पेचवर्क कार्य, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, भवन निर्माण स्वीकृति, सीवर कनेक्शन सहित विभिन्न बुनियादी सेवाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को राहत प्रदान करना और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पट्टे, प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत सहायता राशि के चेक वितरित किए तथा विशेष योग्यजनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किए। शिविर में पहुंचे लाभार्थी मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर उत्साहित नजर आए और उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी पहल के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, जिला प्रशासन, जयपुर नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गहलोत ने गेहूं खरीद की तारीख बढ़ाने की मांग की

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राज्य सरकार से सरकारी दरों पर गेहूं की खरीद की अंतिम तारीख बढ़ाने और किसानों को राहत देने के लिए मंडियों से इसका उठाव तेज करने की मांग की। गहलोत ने एक बयान में आरोप लगाया कि राज्य के गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों सहित राज्य भर में गेहूं खरीद को लेकर किसानों के बीच बढ़ता आक्रोश सरकार की अदूरदर्शिता का नतीजा है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर 30 जून तक होने वाली खरीद को इस साल पहले 31 मई और अब 19 जून की समय सीमा तक रखने से हजारों पंजीकृत किसान अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि बारदाने (बोरी) की किल्लत और सुस्त उठाव के कारण खुले में पड़ा लाखों क्विंटल अनाज बारिश होने पर बर्बाद हो सकता है। खरीद की समय सीमा नजदीक आ रही है, ऐसे में अगर तुरंत तारीख नहीं बढ़ाई गई तो किसानों को अपनी फसल औने-पौने दाम पर बिचौलियों को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। गहलोत ने अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग करते हुए कहा, ''मेरी राज्य सरकार से मांग है कि खरीद की अंतिम तिथि को हर बार की तरह बढ़ाकर 30 जून किया जाए।

आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : हेमंत मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रतापगढ़ जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा नगर परिषद परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का सोमवार को राजस्थान सरकार के राजस्व मंत्री हेमंत मीणा एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार द्वारा गत बारह वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में किए गए ऐतिहासिक कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, आधारभूत संरचना विकास, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, गरीब उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा डिजिटल भारत अभियान से संबंधित उपलब्धियों को आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में महिला एवं बाल अधिकारिता विभाग के थ्री डी मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी वितरण योजना के तहत एक लाभार्थी और विधायक मद द्वारा तीन लाभार्थियों को सांकेतिक चाबी देकर स्कूटी का वितरण किया गया।

राजस्व मंत्री मीणा एवं सांसद जोशी ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न पैनलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनसेवा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को केंद्र सरकार की उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी मिल रही है, जिससे पात्र लाभार्थी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर दोनों जनप्रतिनिधियों ने नगर परिषद परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के काउंटरों का भ्रमण कर वहां कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा की तथा आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से प्राप्त आवेदनों के निस्तारण, जनसुनवाई एवं विभिन्न सेवाओं की प्रगति की जानकारी भी ली।

निरीक्षण के दौरान राजस्व मंत्री मीणा ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। सांसद जोशी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके। सांसद सीपी जोशी ने उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। आज भारत विश्व में एक मजबूत, आत्मनिर्भर और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और ऐसे शिविर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार समन्वय के साथ जनहित में कार्य कर रही हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयोजित सेवा शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अधिकाधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति को सुगम, पारदर्शी एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराना है।

आपदा प्रबंधन विभाग के विशिष्ट शासन सचिव ने किया संपर्क कॉल सेंटर का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संचालित राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग एवं निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा के क्रम में सोमवार को आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग के विशिष्ट शासन सचिव एवं जैसलमेर जिले के प्रभारी सचिव महावीर प्रसाद मीणा ने राजस्थान संपर्क कॉल सेंटर का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभाग से संबंधित शिकायतों, उनके निस्तारण की प्रगति, संतुष्टि स्तर तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मीणा ने बाढ़, अतिवृष्टि, प्राकृतिक आपदाओं से हुई क्षति, राहत सहायता तथा अन्य आपदा संबंधी शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का विषयानुसार उचित श्रेणीकरण सुनिश्चित किया जाए। इससे संबंधित मामलों का प्रभावी और त्वरित निस्तारण संभव हो सकेगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि कर्मचारियों से जुड़े मामलों को एम्प्लोई श्रेणी में दर्ज किया जाए तथा आवश्यकता अनुसार शिकायतों का तार्किक पुनः श्रेणीकरण किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि अर्जेंट श्रेणी में दर्ज सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा के दौरान विशिष्ट शासन सचिव महावीर प्रसाद मीणा ने शिकायत निस्तारण व्यवस्था की समग्र प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि आमजन को त्वरित राहत प्रदान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिकायतकर्ताओं के संतुष्टि प्रतिशत को और अधिक बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बुनकर संघ से संबंधित शिकायतों की भी अलग से समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी समाधान के निर्देश प्रदान किए।

वीबी-जीरामजी योजना के तहत मिलेंगे 11,581 करोड़ रुपये

जयपुर। राजस्थान को 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' योजना के तहत 11,581 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन मिलेगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह नयी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का स्थान लेगी और इसे एक जुलाई, 2026 से देशभर में लागू किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के तहत राजस्थान को अंतरिम रूप से 7,581 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन अंतिम रूप से तय किया है, जबकि राज्य सरकार अतिरिक्त 4,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराएगी। आवश्यकता और मांग के आधार पर राज्य के लिए आवंटन राशि में और वृद्धि की जा सकती है। इसके साथ ही, इस योजना के तहत राजस्थान के लिए कुल व्यय 11,581 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा, जो राज्य में ग्रामीण रोजगार गारंटी के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन होगा।

राजस्थान के कुछ इलाकों में आंधी-बारिश की गतिविधियां जारी रहने का अनुमान

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के कारण बने परिसंचरण तंत्र के असर से राज्य के कुछ भागों में आंधी व बारिश की गतिविधियां इस सप्ताह भी जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार राज्य के बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में बारिश की गतिविधियां अभी कुछ दिन जारी रहने का अनुमान है। इस दौरान 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। सोमवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे के दौरान राज्य के कुछ स्थानों पर आंधी चली और हल्की से मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक 51.0 मिलीमीटर वर्षा खानपुर (झालवाड़) में दर्ज की गई।राज्य में कई दिनों से जारी आंधी व बारिश के दौर के चलते अधिकतम तापमान में गिरावट आई है और बीते चौबीस घंटे में कहीं भी 'हीटवेव' दर्ज नहीं की गई। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस फलौदी में रहा।

कारोबारी का शव कार की डिक्की में मिला

जयपुर।जयपुर में 40 वर्षीय एक कारोबारी का शव सोमवार सुबह सड़क किनारे खड़ी एक कार की डिक्की से मिला। कारोबारी दो दिन से लापता थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान हरीशंकर शर्मा के रूप में हुई है, जो शिवदासपुरा क्षेत्र के विधानी निवासी थे और भवन निर्माण सामग्री का कारोबार करते थे। उनके परिवार ने शिवदासपुरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने बताया कि हरीशंकर शनिवार सुबह घर से निकले थे और शाम सात बजे के बाद उनका मोबाइल बंद हो गया और उनसे संपर्क नहीं हो सका। पुलिस ने बताया कि सोमवार को उनके घर से लगभग 100 मीटर दूर खड़ी एक कार की डिक्की से शव बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि शरीर पर चोटों के निशान थे और उसे प्लास्टिक शीट और बोरों में लपेटा गया था। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि हरीशंकर की हत्या उनके मित्र सीताराम खोझ ने वित्तीय विवाद के चलते की है।

झुंझुनूं में गांव का नाम बदलने पर भारी बवाल

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा 22 किमी पैदल मार्च के बाद कलेक्ट्रेट पर हुए बेहोश

झुंझुनूं/दक्षिण भारत। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में ऐतिहासिक गांव 'इस्लामपुर' का नाम बदलने के प्रस्ताव को लेकर राजनैतिक और सामाजिक गतिरोध चरम पर पहुंच गया है। इस प्रस्ताव के विरोध में सोमवार को पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने 22 किलोमीटर लंबा पैदल मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन के दौरान भीषण गर्मी और उमस के कारण पूर्व मंत्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे सड़क पर ही बेहोश होकर गिर पड़े, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। अस्पताल जाने से किया मना, बोले- 'भाई धूप में रहें और मैं छांव में जाऊं, ऐसा नहीं हो सकता' भीषण गर्मी (करीब 45 डिग्री तापमान) में लंबी दूरी तय करने के कारण पसीने से तरबतर पूर्व मंत्री के सड़क पर गिरते ही समर्थकों ने उन्हें संभाला। समर्थकों ने उनके सिर के नीचे साफी (तौलिया) बिछाई, चेहरे पर पानी छिड़का और हवा की। इस दौरान मौके पर बुलाई गई एम्बुलेंस में बैठने और अस्पताल जाने से राजेंद्र गुढ़ा ने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों के लिए टेंट लगाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा:

मैं ऐसा कतई नहीं कर सकता कि मेरे सारे ग्रामीण भाई 45 डिग्री की इस झुलसाती धूप में सड़क पर बैठें और मैं खुद इलाज के बहाने छांव या अस्पताल में जाकर बैठ जाऊं। हम अपनी ऐतिहासिक पहचान के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। इस पूरे विवाद की शुरुआत झुंझुनूं के स्थानीय विधायक राजेंद्र भांबू के एक

सिफारिशी पत्र से हुई। विधायक भांबू ने इस्लामपुर गांव का नाम बदलकर 'श्रीरामपुर' करने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय (उचज) को पत्र भेजा था। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर जैसे ही झुंझुनूं जिला प्रशासन ने इस संबंध में कागजी कार्रवाई और फीडबैक लेने की प्रक्रिया शुरू की, ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई और इसके विरोध में आंदोलन शुरू हो गया। सोमवार सुबह करीब 9 बजे इस्लामपुर के अंबेडकर चौक से शुरू हुए इस पैदल मार्च में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (ठडझ) के नेता राजेंद्र फौजी, अंजुमन-ए-पठान संस्था के सचिव इब्राहिम खान और आमिन मणीयार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। राजेंद्र गुढ़ा ने शेखावाटी के ऐतिहासिक ताने-बाने का जिक्र करते हुए कहा कि राव शेखा के हर युद्ध में मुसलमान राजपूतों ने कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गांव का नाम बदला गया, तो वे ईंट से ईंट बजा देंगे।

बच्चों के समग्र विकास में पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : पूनम

जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सोमवार को अभिभावक-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। इस माह की बैठक का मुख्य विषय पोषण, संतुलित आहार एवं स्वास्थ्य तथा बच्चे के जीवन में पिता की भूमिका रहा। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती पूनम ने बताया कि बच्चों के समग्र विकास में पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में आयोजित झ-च की बैठकों के माध्यम से बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समग्र विकास के लिए जन-जागरूकता को नई गति देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बच्चों के सामग्र विकास हेतु परिवारों की सहभागिता को और खास कर पिता की भूमिका को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किये जाएंगे। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि बैठक में बच्चों के सर्वांगीण विकास, पोषण, स्वास्थ्य, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा तथा परिवार की सामूहिक भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई।

गडकरी ने सड़क परियोजनाओं की घोषणा की, अवसंरचना विकास को पूर्वोत्तर की तरक्की का इंजन बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लिए कई सड़क परियोजनाओं की घोषणा की और कहा कि अवसंरचना विकास इस क्षेत्र के लिए ''तरक्की का इंजन'' बनेगा।

सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने यहां 15-16 जून को आयोजित 'पूर्वोत्तर भारत अवसंरचना सम्मेलन एवं प्रदर्शनी, 2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सड़क अवसंरचना से जुड़ी कई परियोजनाओं की घोषणा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे का विकास इस क्षेत्र के लिए विकास का इंजन बनेगा।''

कार्यक्रम के मंच पर नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

इस अवसर पर संगमा ने कहा, ''पहले हम सपने देखने की हिम्मत भी नहीं करते थे, लेकिन अब हम ऐसा कर रहे हैं, और यही वह भरोसा है जो हम अपने क्षेत्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों तक पहुंचाना चाहते हैं।''

इस सम्मेलन का उद्देश्य पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में विकास की संभावनाओं को तलाशना है।

इससे पहले दिन में, गडकरी ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) की एक बैठक में हिस्सा लिया और यहां लारीति परफॉर्मिंग सेंटर में आयोजित सम्मेलन के लिए विभिन्न कंपनियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

मेघालय में जल्द बनेगा बड़ा फुटबॉल स्टेडियम और पांच सितारा होटल: कोनराड संगमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने सोमवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र अब विकास की नई कहानी गढ़ने के लिए ''बड़े सपने देखने का साहस'' कर पा रहा है। उन्होंने आने वाले कुछ वर्षों में मेघालय में आठ नए पांच सितारा होटल खोले जाने की भी घोषणा की।

संगमा ने एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, पूर्वोत्तर के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण है और हमें सिर्फ विभिन्न प्रयासों के आपसी समन्वय की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर के पास विकास के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, नीतियां व स्पष्ट सोच मौजूद है और यहां के राज्य अब बड़े सपने देखने का साहस दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले हम बड़े सपने देखने का साहस नहीं कर पाते थे, लेकिन अब हम ऐसा कर पा रहे हैं। यही आत्मविश्वास हम अपने क्षेत्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों तक पहुंचाना चाहते हैं।

'पूर्वोत्तर भारत अवसंरचना सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 2026' का आयोजन 15 और 16 जून को शिलांग के लारिती परफॉर्मिंग सेंटर में किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मंच पर मौजूद थे। मेघालय के मुख्यमंत्री संगमा ने अपने संबोधन में कहा, पिछले आठ वर्षों में हमारे राज्य का बजट दोगुना हो गया है। मुझे विश्वास है कि 2028-29 तक यह आठ साल पहले की तुलना में तीन गुना हो जाएगा। उन्होंने कहा, बुनियादी ढांचे और निवेश पर होने वाला हमारा पूंजीगत व्यय पिछले आठ वर्षों में छह गुना बढ़ा है।

संगमा ने कहा कि आज मेघालय ऐसे काम कर रहा है, जिनके बारे में हमने पहले कभी सोचा भी नहीं था। उन्होंने कहा, देश का सबसे बड़ा फुटबॉल स्टेडियम मेघालय में बनाया जा रहा है। करीब 800 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस फीफा-प्रमाणित स्टेडियम में 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी और यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच का आयोजन किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेघालय अगले वर्ष राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने जा रहा है और हम इसकी पूरी तैयारी कर रहे हैं।

केंद्र ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत बंगाल के लिए 8,500 करोड़ रुपए आवंटित किए: शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि केंद्र ने राज्य को 'वीबी जी-राम जी' (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण) योजना के तहत 8,500 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026-27 के लिए योजना के तहत पश्चिम बंगाल को 8,508 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह राशि उत्तर प्रदेश के बाद देश में दूसरी सबसे अधिक है। उत्तर प्रदेश के लिए 9,721.48 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। शुभेंदु ने कहा कि केंद्र ने ग्राम सड़क योजना के तहत 2,400 करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी है और 1,000 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से राज्यव्यापी 'जन कल्याण शिविर' कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस योजना के तहत केंद्र ने पश्चिम बंगाल के लिए लगभग 8,500 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी सुनिश्चित होगी।'' उन्होंने कहा कि 15 से 17 जून तक आयोजित होने वाले 1,100 'जन कल्याण शिविर' के जरिए लोग केंद्रीय और राज्य सरकार की 54 योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का यह पहला जनसंपर्क कार्यक्रम है। लोग सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे के बीच शिविरों में पहुंचकर विभिन्न कल्याण योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं और आवेदन जमा कर सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण योजनाओं का लाभ अवैध प्रवासियों तक नहीं पहुंचना चाहिए और उन्होंने ऐसे परिवारों को लाभ देने पर सवाल उठाया जो अपने बच्चों को मान्यता प्राप्त स्कूलों में नहीं भेजते या जहां 'वंदे मातरम' नहीं गाया जाता। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में लाभार्थी डेटाबेस में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए शुभेंदु ने कहा कि सरकार कल्याणकारी योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे, न कि फर्जी खाताधारकों तक।''

हमने तृणमूल कांग्रेस को नहीं छोड़ा है, पार्टी और चुनाव चिह्न पर दावा करेंगे : बागी सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसद अरूप चक्रवर्ती ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने दल को छोड़ा नहीं है, बल्कि इसे 'सुधारने' की कोशिश कर रहे हैं और वे इसके चुनाव चिह्न पर नियंत्रण के लिए लड़ाई लड़ेंगे।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने इस कदम को दल-बदल विरोधी कानून के तहत अवैध करार दिया है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और घोषणा की कि वे त्रिपुरा की एक पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई)में विलय कर रहे हैं। चक्रवर्ती ने कहा, ''हमने तृणमूल नहीं छोड़ी है। हम तृणमूल में ही हैं और पार्टी को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी को नुकसान क्यों पहुंचा, इस पर कोई बात नहीं हो रही है। हम पार्टी के चुनाव चिह्न के लिए लड़ेंगे। हमारे पास 20 सदस्य हैं, तो हम चुनाव चिह्न के लिए क्यों न लड़ें?'' तृणमूल के बागी सांसद ने कहा, ''एक नया खेल शुरू हो गया है... 'खेला होबे''। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से पश्चिम बंगाल में विकास और रोजगार आएगा। चक्रवर्ती ने तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''ममता बनर्जी डरी हुई हैं, वह पार्टी की बैठक तक नहीं बुला सकतीं। वह चुनाव से पहले अपने चुनाव क्षेत्र में एक बैठक भी नहीं कर पाईं।''

रेलवे गार्ड की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा, ट्रेन का पहिया गर्म होने पर किया था सतर्क

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में एक मालगाड़ी के गार्ड की सतर्कता से एक बड़ा रेल हादसा टल गया। गार्ड ने बगल की पटरी से गुजर रही एक अन्य मालगाड़ी के अत्यधिक गर्म हो चुके पहिए से धुआं निकलता देखकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी थी। यह घटना 13 जून को अपराह्न 2:40 बजे की है, जब ट्रेन मैनेजर (गार्ड) राकेश कुमार दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से सासाराम (हावड़ा की दिशा में) जा रही खाली मालगाड़ी के संचालन की देखरेख कर रहे थे। इसी दौरान, उन्होंने 'मालगाड़ियों के विशेष मार्ग' (डीएफसी) पर विपरीत दिशा में जा रही अन्य मालगाड़ी के पहियों से धुआं निकलते देखा। 'ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल' के पूर्व महासचिव एसपी सिंह ने बताया कि पहियों के गर्म होने को इंगित करने वाला उपकरण भी दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से लगभग 70 किमी. दूर न्यू कुंद्रा की ओर जा रही मालगाड़ी में सामने आई इस समस्या का संकेत देने में विफल रहा।

तृणमूल के बागी सांसदों के मामले में कानूनी राय ले सकते हैं बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों के 'नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में प्रस्तावित विलय के बाद उन्हें अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग पर कानूनी राय ले सकते हैं। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि टीएमसी के बागी सांसदों की मांग पर कोई भी फैसला संसद के मानसून सत्र से पहले किया जाएगा, जो सामान्यतः जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है। उन्होंने कहा कि बागी सांसदों की मांग पर निर्णय केंद्रीय विधि मंत्रालय की लिखित राय के आधार पर लिया जाएगा। मंत्रालय किसी वरिष्ठ विधि अधिकारी से परामर्श के बाद अपनी राय देगा। सूत्रों के

अनुसार, लिखित कानूनी राय ली जाएगी ताकि यदि लोकसभा अध्यक्ष के अंतिम निर्णय को अदालत में चुनौती दी जाती है तो वह न्यायिक जांच-परख की कसौटी पर खरा उतर सके।

इस बीच, लोकसभा के पूर्व महासचिव और संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञ पी. डी. टी. आचारी ने संविधान की 10वीं अनुसूची के पैरा-4 का हवाला देते हुए कहा कि केवल कोई राजनीतिक दल ही दूसरे राजनीतिक दल में विलय कर सकता है, केवल सांसद या विधायक ऐसा नहीं कर सकते। आचार्य ने कहा, ''यदि किसी राजनीतिक दल का नेतृत्व दूसरे राजनीतिक दल में विलय का फैसला करता है, तो उसके सांसदों और विधायकों को उस विलय से सहमत होना होता है, लेकिन केवल सांसद या विधायक अपने स्तर पर किसी दूसरे राजनीतिक दल में विलय नहीं कर सकते। संविधान में यही प्रावधान है।''

गया जी के खिजरसराय में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि गया जी जिले के खिजरसराय में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनाया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार 40 एकड़ भूमि उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी के साथ संयुक्त रूप से खिजरसराय में 170 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले प्रौद्योगिकी केंद्र का शिलान्यास किया। इस अवसर पर चौधरी ने कहा कि प्रौद्योगिकी केंद्र के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भूमि उपलब्ध कराई थी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मांझी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मांझी ने अपने मंत्रालय के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, बिहार में वर्ष 2022 में एमएसएमई इकाइयों की संख्या लगभग छह लाख थी, जो बढ़कर 46 लाख से अधिक हो गई है। इन इकाइयों के माध्यम से 1.87 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से विकास कर रहा है और राज्य में बिजली, सड़क, हर घर नल का जल जैसी बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। जीविका समूहों की महिलाओं को भी समाज की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2005 तक राज्य में केवल 17 लाख परिवारों को बिजली कनेक्शन उपलब्ध था, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 2.22 करोड़ परिवारों तक पहुंच गई है।

नाविकों की मौत पर चुप्पी तोड़ें प्रधानमंत्री मोदी, ट्रंप के समक्ष मुद्दा उठाएं: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि 'एमटी सेटेबेलो' जहाज पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुप्पी तोड़नी चाहिए और इस विषय को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समक्ष उठाना चाहिए।

अमेरिका ने बीते 10 जून को पलाऊ के ही ध्वज वाले 'सेटेबेलो' पर हमला किया था, जिसपर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई थी। कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, ''अमेरिका ने एमटी सेटेबेलो जहाज पर हमला कर तीन भारतीय नाविकों की क्रूर हत्या कर दी। जहाज पर हमला करते वक्त अमेरिका को पता था कि उसमें भारतीय नाविक सवार हैं, इसके बावजूद उसने हमला किया। हमारा इस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन हमारे लोगों की हत्या करने का साहस अमेरिका ने किया। इन हत्याओं से पूरा देश गमगीन है।'' उन्होंने दावा किया कि इन दर्दनाक मौतों पर नरेन्द्र मोदी की चुप्पी और उनकी सरकार का कायराना रवैया देश की विफल विदेश नीति का उदाहरण है। उन्होंने कहा, ''जब पहलगाम का नरसंहार हुआ था, तब भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को उचित ठहराने के लिए भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। उस समय पाकिस्तान हत्यारा था, आज अमेरिका हत्यारा है।''

बाल हेल्पलाइन की मदद से 17 वर्षीय छात्रा ने रुकवाया अपना बाल विवाह

फूलबनी (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के कंधमाल जिले में एक किशोरी ने सूझबूझ का परिचय देते हुए जिला बाल सहायता हेल्पलाइन पर फोन कर 40 वर्षीय व्यक्ति से होने वाली अपनी शादी रुकवा दी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि माता-पिता को जबरन विवाह नहीं कराने के लिए मनाने में असफल रहने के बाद किशोरी ने बाल सहायता हेल्पलाइन पर सूचना देने का विकल्प चुना। कंधमाल जिला बाल हेल्पलाइन के सदस्य शिव शंकर बेहरा ने बताया कि 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली 17 वर्षीय किशोरी ने अपने माता-पिता द्वारा उसकी शादी कराने की योजना का कड़ा विरोध किया था, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई। इसके बाद वह अपनी रिश्तेदार के घर चली गई।

बेहरा ने कहा, ''रिश्तेदार के घर पहुंचने के बाद भी उस पर शादी के लिए दबाव बनाया जाता रहा और उसके माता-पिता चाहते थे कि वह विवाह के लिए अपने पैतृक गांव लौट आए। इसके बाद उसने बाल सहायता हेल्पलाइन पर फोन कर तत्काल संरक्षण की मांग की।'' उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद हेल्पलाइन ने सारंगगढ़ थाने से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने किशोरी को उसके रिश्तेदार के घर से सुरक्षित बाहर निकाला।

टीएमसी को तोड़ने की साजिश गृह मंत्री ने रची, राजग के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने की साजिश गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रची गई और इस कदम का मकसद किसी भी तरह से लोकसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाना है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि तेलुगू देशम पार्टी और जनता दल (यू) को इस प्रयास का विरोध करना चाहिए, क्योंकि अब राजग में उनका महत्व कम हो जाएगा। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक हताश केंद्रीय गृह मंत्री, जो सरदार पटेल द्वारा सुशोभित इस पद की गरिमा पर कलंक हैं, ने बेशर्मी की हदें पार करते हुए भारतीय लोकतंत्र को एक नए निम्न स्तर पर पहुंचा दिया है। उन्होंने टीएमसी के 20 सांसदों को अवैध रूप से अलग कराने और उनका विलय महज़ तीन वर्ष पहले गठित, लगभग अज्ञात तथा कथित रूप से पंजीकृत, लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल 'नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ इंडिया' में कराने की साज़िश रची है।'' उन्होंने कहा कि यह पार्टी राजग में लंबे समय से स्थापित और अनुभवी दलों तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और जनता दल (यूनाइटेड) से भी बड़ी होकर दूसरा सबसे बड़ा दल बन सकती है।

आईपीएल का सबसे अधिक देखा गया मैच बना आरसीबी और टाइटन्स का फाइनल

मुंबई/भाषा। आधिकारिक प्रसारणकर्ता के अनुसार हाल में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग को रिकॉर्ड एक अरब 20 करोड़ दर्शक मिले जो प्रति वर्ष के आधार पर सात प्रतिशत का इजाफा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अहमदाबाद में हुए फाइनल में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर अपना लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जीता। 'जियोस्टार' ने विज्ञप्ति में कहा, ''टाटा आईपीएल 2026 को एक अरब 20 करोड़ से अधिक दर्शक मिले जो प्रति वर्ष के आधार पर सात प्रतिशत के इजाफे को दर्शाता है। इस सत्र में दर्शक स्क्रीन से चिपके रहे क्योंकि मैच देखने का समय 870 अरब मिनट तक पहुंच गया। फाइनल ने दर्शकों की संख्या दोगुनी कर दी और यह अब तक का सबसे अधिक देखा जाने वाला टाटा आईपीएल मैच बन गया जिसे स्क्रीन पर 40 करोड़ से अधिक लोगों ने देखा।'' विज्ञप्ति के अनुसार, 2026 सत्र में डिजिटल स्क्रीन पर अच्छी प्रगति देखी गई। कनेक्टेड टीवी 22 प्रतिशत बढ़ा।

श्रीलंका ए के खिलाड़ी की छींटाकशी के कारण वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाम्बुला/भाषा। सुपर ओवर में श्रीलंका ए के खिलाफ भारत ए की हार के बाद त्रिकोणीय श्रृंखला का मैच खराब माहौल में खत्म हुआ जिसमें युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की मेजबान टीम के एक खिलाड़ी के साथ तीखी बहस हुई और बात लगभग हाथापाई तक पहुंच गई।

सुपर ओवर में भारत ए को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे लेकिन तेज गेंदबाज कुगाथस मथुलन के खिलाफ टीम नौ रन ही बना सकी और लगातार दूसरा मैच हार गई। सूर्यवंशी ने मथुलन की आखिरी तीन गेंद का सामना किया और एक बाउंड्री सहित सिर्फ छह रन बनाए। मैच खत्म होने के बाद जब सूर्यवंशी और उनके साथी सूर्यांश शेडगे पवेलियन लौट रहे थे तो श्रीलंकाई टीम ने कुछ ज्यादा ही जोश में जश्न मनाया। हालांकि टीवी कैमरों ने सूर्यवंशी को गुस्से में मथुलन की ओर बढ़ते हुए कैद किया और उनके साथी खिलाड़ी विशेन हलम्बेज बीच-बचाव के लिए आ गए। इसकी वजह शायद वह बात थी जो गेंदबाज ने 15 साल के खिलाड़ी को तीन गेंद पर सफलतापूर्वक रोकने के बाद कही थी। सूर्यवंशी को क्षेत्ररक्षक को धक्का देते देखा गया और क्षेत्ररक्षक ने भी उनकी तरफ बढ़ने की कोशिश की। श्रीलंका के सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निरोशन डिकवेला ने बीच-बचाव किया जिससे कि मामला हाथ से नहीं निकले। जब सूर्यवंशी पवेलियन लौट रहे थे तो वह साफ तौर पर गुस्से में दिख रहे थे क्योंकि भारत कम रोशनी में लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा था। शुरू में ऐसा लगा कि सुपर ओवर का कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि भारत ए के कप्तान तिलक वर्मा की मैदानी अंपायरों के साथ लंबी और तीखी बहस हुई लेकिन 10 मिनट बाद अंपायर मान गए। अंपायरों और तिलक के बीच बातचीत के दौरान भी सूर्यवंशी चर्चा में शामिल होते दिखे लेकिन मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर ने उन्हें पीछे खींच लिया। यह देखना दिलचस्प होगा कि मैच रेफरी प्रदीप जयप्रकाश कोई आधिकारिक सजा की घोषणा करते हैं या खिलाड़ियों को सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ देते हैं।

सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का डोमैन का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं : मनप्रीत सिंह

नई दिल्ली/भाषा। भारत के लिये सर्वाधिक 412 अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने के दिलीप टिर्की के रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले स्टार मिडफील्डर मनप्रीत सिंह की नजरें लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 खेलने और बेल्जियम के जॉन जॉन डोमैन के 481 अंतरराष्ट्रीय मैचों के विश्व रिकॉर्ड पर लगी हैं । एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच के साथ ही मनप्रीत ने भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष टिर्की के 412 मैचों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली । अब 17 जून को जर्मनी के खिलाफ मैच के जरिये वह भारत के लिये सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जायेंगे । 33 वर्ष के मनप्रीत ने रोटरडम से भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,''मुझे सफर की शुरूआत याद आ रही है जब मीठापुर के एक बच्चे ने भारत के लिये खेलने का सपना देखा था । यह सफर 15 साल लंबा होगा और 400 से ज्यादा मैच खेलूंगा, यह कभी नहीं सोचा था ।'' उन्होंने यह भी कहा कि सफर अभी थमा नहीं है और उनकी नजरें विश्व रिकॉर्ड तथा ओलंपिक 2028 पर लगी है जिसके लिये वह फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहे हैं । 2011 में भारत के लिये पदार्पण करने वाले मनप्रीत ने कहा,'' निश्चित तौर पर मैं दुनिया में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना चाहता हूं । बेल्जियम के जॉन जॉन डोम का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं लेकिन उसके लिये फिट रहना सबसे अहम है । अगर मैं फिट नहीं हूं तो खुद ही नहीं चाहूंगा कि टीम में रहूं ।''

सुविचार

अपनी किस्मत को कभी दोष मत दीजिए, इंसान की उंगलियों के आगे ही उसकी लकीरें होती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कौन खोलेगा अज्ञान की यह पट्टी?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले ने 'पाकिस्तान के साथ बातचीत' संबंधी जो टिप्पणी की, उसके विभिन्न पक्षों को सही ढंग से समझने की जरूरत है। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी कहा कि उनका संदर्भ देश के बजाय लोगों से बातचीत था। बंटवारे के इतने दशकों बाद भी, भारत में कई लोग असमंजस में रहते हैं कि पाकिस्तान के साथ बातचीत होनी चाहिए या नहीं होनी चाहिए! पाकिस्तान को समझने से पहले उसकी बुनियाद को समझना होगा, जिसका नाम है– दो क़ौमी नज़रिया। पाकिस्तान बनने के बाद वहां सभी लोगों को यह घुट्टी पिला दी गई कि 'हम अलग हैं'। इसकी शुरुआत चालीस के दशक से ही हो गई थी। आज उसका असर पाकिस्तानी बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक दिखाई दे रहा है। वहां के आम आदमी के मन में भारत, खासकर हिंदुओं के लिए नफरत पाई जाती है। कोई कम नफरत करता है, कोई ज्यादा करता है, लेकिन क्यों करता है? यह उन्हें नहीं मालूम। उन्हें तोते की तरह यह बात रटाई गई है कि भारत रात के अंधेरे में हमला करता है। वे इस दुष्प्रचार के शिकार हैं कि भारत ने हमेशा पहले हमला किया और पाकिस्तान ने सिर्फ जवाब दिया! यह जानकर आश्चर्य होगा कि आज भी करोड़ों पाकिस्तानी मानते हैं कि उनके देश ने हर युद्ध जीता था। वे खुद को विदेशी आक्रांताओं की संतान मानते हैं। जब तक इस झूठ का पर्दाफाश नहीं होगा, वे हमसे बेवजह नफरत करते रहेंगे। जो पाकिस्तानी आतंकवादी इधर आते हैं, हमारे सशस्त्र बलों द्वारा ढेर किए जाते हैं, वे इसी सोच के शिकार हैं। अब सोशल मीडिया के कारण सरहद के उस पार लोगों को पता चल रहा है कि उन्हें झूठ परोसा गया था।

इस झूठ के आवरण को हटाने के लिए लोगों के साथ विभिन्न मंचों पर संवाद होना चाहिए। इससे उनकी सोच बदलेगी, बदल भी रही है। हालांकि उनकी संख्या कम है, लेकिन भविष्य में बेहतरी की उम्मीद की जा सकती है। जब एक शिक्षित पाकिस्तानी को पता चलेगा कि पांच पीढ़ी पहले उसके पूर्वज हिंदू थे; यह विदेशी आक्रांताओं की नहीं, बल्कि साहित्य, संगीत और कलाओं की धरती है; तक्षशिला ज्ञान–विज्ञान का केंद्र था; हम कहीं बाहर से नहीं आए थे; हम इसी धरती के बेटे–बेटियां हैं, तो उसके मन में भारत के प्रति कुछ जिज्ञासा जरूर पैदा होगी। अगर इस सोच को बड़े स्तर पर बढ़ावा दिया जाए तो हजारों पाकिस्तानी युवाओं के मन में आतंकवाद का जहर पैदा होने से पहले ही खत्म किया जा सकता है। पाकिस्तानी सरकार, फौज, आईएसआई, कट्टरपंथी संगठन और आतंकवादी संगठन यही चाहेंगे कि उन लोगों की आंखों पर अज्ञान की पट्टी बंधी रहे। यह पट्टी सिर्फ भारतीय खोल सकते हैं। इसके लिए सोशल मीडिया के जरिए ऐसी सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे आम पाकिस्तानी के मन में अपनी जड़ों को लेकर सवाल पैदा हो। जब उन्हें इस बात का बोध होगा कि हमारे पूर्वज एक थे, हम हजारों साल से एकसाथ रह रहे थे और कुछ नेताओं ने स्वार्थ के कारण दो क़ौमी नज़रिए की शक्ल में बंटवारे के बीज बोए थे, तो वे अपने हुक्मरानों से सवाल पूछेंगे। वे पूछेंगे कि भारत में आटा, चावल, दाल, सब्जी, दवाई, बिजली, रसोई गैस की कीमतें कम और पाकिस्तान में इतनी ज्यादा क्यों हैं? पाकिस्तानियों के हक पर डाका कौन डाल रहा है? चीजों के दाम कौन बढ़ा रहा है? जिस दिन 10 प्रतिशत पाकिस्तानी ऐसा सोचने लगेंगे, सवाल पूछने लगेंगे तो दो क़ौमी नज़रिया धराशायी होने लगेगा। यह काम जितना जल्दी हो, उतना अच्छा है। भारत मां की जो भुजाएं षड्यंत्रपूर्वक खंडित की गई थीं, वे पुन: अपने स्थान पर विराजमान हों। यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

इंदिरा लंकेश, साहित्य, मीडिया और फिल्म जगत में पी. लंकेश की उपलब्धियों की रीढ़ थीं। इसके साथ ही, उन्होंने खुद को बिज़नेस, लेखन और बुक पब्लिशिंग में पूरी तरह से लगा दिया था। इंदिरा लंकेश सभी लड़कियों और महिलाओं के लिए एक प्रेरणा थीं।

–डीके शिवकुमार

आज कटला बाजार में त्रिपोलिया स्थित कुंज बिहारी मंदिर और अचलनाथ महादेव मंदिर में सभी लोगों की सुख–समृद्धि की प्रार्थना के साथ दर्शन–पूजन किया गया। हनुमान चौक स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्रसाद चढ़ाया गया और दर्शन किए गए।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के ऐतिहासिक 12 साल पूरे होने के मौके पर आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के मुरलीपुरा मंडल इलाके में इगझ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ 'माँ के नाम एक पेड़' कैंपेन के तहत पेड़ लगाए गए ।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

लक्ष्य से दृष्टि

अमेरिका के अलाबामा में एक मां अपनी 19 माह की बच्ची को डॉक्टर के पास ले गई। चेकअप के बाद डॉक्टर ने कहा, 'केलर महोदया, हिम्मत से काम लीजियेगा।' मां ने सवाल किया, 'डॉक्टर, मेरी बेटी ठीक तो हो जाएगी?' डॉक्टर बोला, 'आपकी बेटी अब बस ज़िंदा ही रहेगी। इस बुख़ार में वह अपनी बोलने, सुनने और देखने की शक्ति खो बैठी है।' मां ने और कई डॉक्टरों को दिखाने के पश्चात डॉ. माइकल की शरण ली। उन्होंने बच्ची की जांच के पश्चात एनी नामक एक अध्यापिका को केलर के घर भेज दिया जिसकी मदद से हेलेन ने स्पर्श और सूंघने की शक्तियों के आधार पर अपनी मेहनत से बोलना और लिखना सीखा। बहुत–सी भाषाएं सीखने के बाद ब्रेल लिपि में कई पुस्तकें लिखीं और दिव्यांगों में नई ऊर्जा का संचार किया। उनका ध्येय वाक्य थालक्ष्यहीन होना दृष्टिहीन होने से भी बुरा है। आज पूरे विश्व में हेलेन केलर को आदर के साथ याद किया जाता है।

सामयिक

कल के दिग्गज आज लड़ रहे अस्तित्व की लड़ाई

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रमुक (डीएमके) की धमाकेदार पराजय से आज क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय परिदृश्य से गायब होने की स्थिति में पहुंच गए है। तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का दबदबा भी रहा लेकिन धीरे–धीरे अब क्षेत्रीय दल सिमटते जा रहे हैं और राष्ट्रीय दलों का फिर से तमाम राज्यों पर कब्जा होने लगा है। कभी जिनकी तूती बोलती थी, वे सियासी पार्टियां और उनके क्षत्रप आज अर्श से फर्श पर गिरकर अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे है। कई ऐसे नेता हैं जिनकी प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश की राजनीति में भी तूती बोलती थी लेकिन अति महत्वाकांक्षा के चलते आज वे राजनीति के हाशिये चले गए हैं। इनमें बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, यूपी में बसपा, हरियाणा में लोकदल, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी, उड़ीसा में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल, बिहार में आरजेडी, तेलंगाना में चंद्रशेखर राव की भारत विकास पार्टी , दिल्ली में आम आदमी पार्टी, पश्चिम बंगाल में कम्युनिष्ट मार्क्सवादी जैसी सियासी पार्टियां शामिल है। ये पार्टियां अपने अपने सूबे में बेहद शक्तिशाली और जनाधार वाली पार्टियों में शुमार की जाती थी। इनमें सबसे बुरी हालत आज तृणमूल कांग्रेस और बसपा की है। बंगाल में हार के बाद ममता बनर्जी की पार्टी खंड खंड होने की स्थिति में आ गई है। पार्टी के विधायक और सांसदों का एक बड़ा धड़ा पार्टी से अलग हो गया है।

ममता का 15 साल का एकछत्र राज धूमिल हो गया है। बसपा सुप्रीमों मायावती कभी अपने बुते पर देश के सबसे बड़े प्रदेश यूपी में सत्ता में काबिज हो गई थी। बसपा को उस दौरान दलितों के अलावा अन्य जाति समुदायों और वर्गों ने भी अपना समर्थन दिया था। बड़े बड़े नेता मायावती से कांपते थे। मंत्री, सांसद और विधायकों की इतनी हिम्मत नहीं थी की उनके बराबर बैठ सके। नेता उनके सामने नीचे बैठने में ही अपनी भलाई समझते थे। आज वही पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अपने घर में अकेले समय निकालकर अपने सुनहरे दिनों की याद करती है। पार्टी के बड़े नेता उनका साथ छोड़ चुके है। अब तो लोकसभा या विधान सभा में इस पार्टी का कोई नामलेवा तक नहीं रहा है। कभी दलित राजनीति में मायावती के मुकाबले कोई नहीं था, उन्होंने जो मुकाम हासिल किया वो बहुतों को नसीब नहीं हुआ है। लेकिन एक बड़ी सच्चाई भी है कि उनकी राजनीति करीब–करीब खत्म होती नजर आ रही हैं। ले दे कर एक दो नेता है जिन्हें कभी पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाती है तो कभी वापस पार्टी में शामिल कर लेती है। पंजाब में कभी बादल बाप – बेटे का एकछत्र राज चलता था। प्रकाश सिंह बादल कई बार मुख्यमंत्री रहे। उनका बेटा सुखबीर भी पंजाब की गद्दी पर काबिज रहा। प्रकाश सिंह अपनी मृत्यु से पहले विधान सभा में शर्मनाक हार का सामना कर चुके थे। आज अकाली दल हासिये पर है और पार्टी छिन्न भिन्न अवस्था में है। हरियाणा में चौधरी देवी लाल देश और प्रदेश के बडे नेता में शुमार थे। केंद्र और राज्य में उप प्रधान मंत्री और मुख्य मंत्री रह चुके थे। उनका बेटा ओम प्रकाश चौटाला भी मुख्यमंत्री पद को संभाल चुका है। आज उनकी पार्टी लोकदल अनेक टुकड़ों में विभाजित है और बहुत से नेता पार्टी से अलग हो चुके है। हरियाणा में राज करने वाली यह पार्टी आज अपने ही प्रदेश में बेगाना हो चुकी है। मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी बंगाल में तीन दशकों तक सत्ता पर काबिज थी। ज्योति बसु और सोमनाथ चटर्जी जैसे नेता इस पार्टी के कर्णधार थे। आज इस पार्टी के पास बंगाल में कोई विधायक या सांसद नहीं है। कभी देश का प्रधान मंत्री इस पार्टी के इसारे पर चुना जाता था। देश की राजधानी दिल्ली आज कांग्रेस विहीन है। वर्षों दिल्ली की सत्ता पर काबिज रहने वाली पार्टी का आज दिल्ली में कोई विधायक या सांसद नहीं है। आज अपने अपने सूबे में वर्षों सत्ता पर काबिज इन पार्टियों का कोई नामलेवा नहीं रहा।

देश की कुछ अन्य सत्तासीन रही क्षेत्रीय पार्टियों का हाल भी कोई अच्छा नहीं कहा जा सकता। महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के बेटे उद्धव की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी, तेलंगाना में केसीआर की भारत विकास पार्टी और तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक भी मुख्य धारा में आने के लिए हाथ पांव मार रही है। भारत में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ क्षेत्रीय दलों के निर्माण का अपना विशेष इतिहास है। देश में आज़ादी के बाद से ही क्षेत्रीय दलों ने अपना वर्चस्व स्थापित करना शुरू कर दिया था।

देश की कुछ अन्य सत्तासीन रही क्षेत्रीय पार्टियों का हाल भी कोई अच्छा नहीं कहा जा सकता। महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के बेटे उद्धव की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी, तेलंगाना में केसीआर की भारत विकास पार्टी और तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक भी मुख्य धारा में आने के लिए हाथ पांव मार रही है। भारत में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ क्षेत्रीय दलों के निर्माण का अपना विशेष इतिहास है। देश में आज़ादी के बाद से ही क्षेत्रीय दलों ने अपना वर्चस्व स्थापित करना शुरू कर दिया था। जैसे जैसे राष्ट्रीय दल कमजोर हुए वैसे वैसे क्षेत्रीय दल बढ़ते गए। विशेषकर कांग्रेस और जनता पार्टी से निकल कर अनेक नेताओं ने अपने क्षेत्रीय दल बना लिये। बंगाल और तमिलनाडु छीन जाने के बाद आज कुछ राज्यों में इन क्षेत्रीय दलों की अपनी सरकारें है। जो मज़बूती से कार्य कर रही है। इनमें झारखण्ड, बिहार, जम्मू एवं कश्मीर और यूपी, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियां या तो सत्ता पर काबिज है या मुख्य विपक्षी पार्टी की भूमिका में है।

नजरिया

सवालों के घेरे में चुनावी प्रक्रिया की साख

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

चुनावी संसाधनों के भंडारण और सुरक्षा के लिए और अधिक कठोर मानक विकसित किए जाने चाहिए। स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी में आधुनिक तकनीक का उपयोग, स्वतंत्र ऑडिट, सार्वजनिक रिपोर्टिंग और राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाई जानी चाहिए। वीवीपैट मिलान की प्रक्रिया को और अधिक व्यापक तथा पारदर्शी बनाया जा सकता है।

हाल ही में पश्चिम बंगाल में एक सरकारी भवन में आग लगने से हजारों इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के नष्ट होने की घटना ने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यद्यपि प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार ये मशीनें मतदान में प्रयुक्त हो चुकी थीं अथवा भंडारण में रखी गई थीं, फिर भी घटना ने राजनीतिक दलों, मतदाताओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच अविश्वास की एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब देश में चुनावी पारदर्शिता, ईवीएम की विश्वसनीयता, मतदाता सूचियों की शुद्धता और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे मुद्दे पहले से ही राजनीतिक विमर्श के केंद्र में हैं। लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया का नाम नहीं है, बल्कि नागरिकों के उस विश्वास का भी नाम है कि उनकी इच्छा सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से शासन व्यवस्था तक पहुंचेगी। जब चुनावी संसाधनों की सुरक्षा में कोई चूक दिखाई देती है, तब यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं रह जाती, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर प्रश्नचिह्न बन जाती है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां चुनाव केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की संप्रभुता की अभिव्यक्ति हैं। करोड़ों मतदाताओं वाले इस विशाल देश में चुनाव कराना एक अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसी चुनौती का समाधान खोजते हुए भारत ने ईवीएम को अपनाया। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को सरल, तेज और निष्पक्ष बनाना था। मतपत्रों के युग में बूथ कैप्चरिंग, मतपत्रों की लूट, फर्जी मतदान और मतगणना में लंबा समय जैसी अनेक समस्याएं थीं। ईवीएम ने इन चुनौतियों को काफी हद तक कम किया और चुनावी प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाया। आज भारत की चुनाव प्रणाली दुनिया के अनेक देशों के लिए अध्ययन और अनुकरण का विषय है। इसके बावजूद ईवीएम को लेकर संदेह और विवाद कभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए। विभिन्न राजनीतिक दल समय–समय पर ईवीएम की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाते रहे हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि जब कोई दल चुनाव जीतता है तो वह ईवीएम की विश्वसनीयता की प्रशंसा करता है, जबकि हार की स्थिति में उसी प्रणाली पर प्रश्न खड़े करने लगता है। हालांकि यह भी सच है कि लोकतंत्र में संदेह उठाना किसी भी नागरिक या राजनीतिक दल का अधिकार है। प्रश्न उठाना लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा है, लेकिन उन प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर देना संस्थाओं की जिम्मेदारी है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब संदेहों का निराकरण करने के बजाय उन्हें अनदेखा किया जाता है या अस्पष्टता बनी रहती है।

पश्चिम बंगाल में ईवीएम जलने की घटना इसी संदर्भ में अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि हजारों मशीनें एक ही स्थान पर रखी गई थीं, तो उनकी सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत थी? यदि वे उच्च सुरक्षा क्षेत्र में थीं, तो आग वहां तक कैसे पहुंची? क्या आग केवल दुर्घटना थी या सुरक्षा मानकों में कोई गंभीर चूक हुई? इन प्रश्नों का उत्तर केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि संस्थागत जवाबदेही के दृष्टिकोण से भी आवश्यक है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता केवल उनकी निष्पक्षता से नहीं, बल्कि उनकी कार्यप्रणाली की पारदर्शिता से भी निर्मित होती है।यहां यह समझना आवश्यक है कि ईवीएम का विवाद केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक भी है। चुनावों में हार–जीत के साथ भावनाएं, अपेक्षाएं और राजनीतिक हित जुड़े होते हैं। यदि मतदाता या राजनीतिक दल यह महसूस करने लगें कि चुनावी प्रक्रिया पर उनका नियंत्रण नहीं है या प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं है, तो लोकतंत्र के प्रति उनका विश्वास कमजोर होने लगता है। इसलिए चुनाव आयोग और अन्य संबंधित संस्थाओं के लिए केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है।

ईवीएम के समर्थन में अनेक तर्क दिए जाते हैं। भारत का सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि वर्तमान ईवीएम इंटरनेट या किसी नेटवर्क से जुड़ी नहीं होतीं, इसलिए दूरस्थ हैकिंग की संभावना लगभग नहीं के बराबर है। इसके अतिरिक्त वीवीपैट प्रणाली लागू होने के बाद मतदाता अपने वोट की पुष्टि भी कर सकता है। विभिन्न चुनावों में वीवीपैट पर्चियों और ईवीएम परिणामों के मिलान में भी बड़े स्तर पर कोई गंभीर विसंगति सामने नहीं आई है। इन तथ्यों के आधार पर चुनाव आयोग लगातार यह दावा करता रहा है कि ईवीएम सुरक्षित और विश्वसनीय हैं। दूसरी ओर आलोचकों का तर्क है कि केवल तकनीकी सुरक्षा पर्याप्त नहीं होती। मशीनों के भंडारण, परिवहन, रखरखाव और निगरानी की प्रक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक होती है, यदि स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी पर प्रश्न उठते हैं, यदि मतदाता सूची में त्रुटियां दिखाई देती हैं या यदि चुनावी प्रक्रिया के किसी चरण में पारदर्शिता की कमी महसूस होती है, तो संदेह स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। पश्चिम बंगाल की घटना ने इसी चिंता को पुनर्जीवित किया है कि चुनावी संसाधनों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकती है।

इस मुद्दे का एक महत्वपूर्ण आयाम चुनाव आयोग की भूमिका भी है। भारतीय चुनाव आयोग को संविधान ने एक स्वतंत्र और शक्तिशाली संस्था के रूप में स्थापित किया है। उसकी निष्पक्षता पर ही चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता टिकी हुई है। जब भी चुनावों को लेकर कोई विवाद उत्पन्न होता है, तब सबसे पहले जनता की नजर चुनाव आयोग पर जाती है। ऐसी स्थिति में आयोग का दायित्व केवल जांच करवाना नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना भी है। पारदर्शी जांच, समयबद्ध रिपोर्ट और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि किसी प्रकार की अफवाह या राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप को तथ्यात्मक आधार पर परखा जा सके। लोकतंत्र में विश्वास की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था या तकनीक में नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास में निहित होती है। यदि मतदाता यह मानने लगें कि उनका वोट सुरक्षित नहीं है या चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है, तो लोकतंत्र का नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास गवाह है कि अनेक देशों में चुनावी संस्थाओं पर अविश्वास ने राजनीतिक अस्थिरता, सामाजिक तनाव और लोकतांत्रिक संकट को जन्म दिया है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया के हर चरण में विश्वास बनाए रखना राष्ट्रीय आवश्यकता है।

समकालीन समय में सोशल मीडिया ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। किसी भी घटना के तुरंत बाद अपुष्ट सूचनाएं, अफवाहें और राजनीतिक दावे तेजी से फैलने लगते हैं। ईवीएम जलने जैसी घटनाएं सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रकार के दावों और प्रतिदावों का विषय बन जाती हैं। ऐसे वातावरण में तथ्य और कल्पना के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। इसलिए प्रशासन और चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे त्वरित, सटीक और विश्वसनीय जानकारी जनता के सामने रखें। इस पूरे विवाद का एक व्यापक राजनीतिक आयाम भी है। लोकतंत्र में विपक्ष का कार्य सरकार और संस्थाओं से प्रश्न पूछना है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाता है, तो उसे लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर आरोप लगाने वालों की भी जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर अपनी बात रखें। निराधार आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं, जबकि प्रमाण आधारित आलोचना उन्हें अधिक उत्तरदायी और मजबूत बनाती है।

चुनावी संसाधनों के भंडारण और सुरक्षा के लिए और अधिक कठोर मानक विकसित किए जाने चाहिए। स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी में आधुनिक तकनीक का उपयोग, स्वतंत्र ऑडिट, सार्वजनिक रिपोर्टिंग और राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाई जानी चाहिए। वीवीपैट मिलान की प्रक्रिया को और अधिक व्यापक तथा पारदर्शी बनाया जा सकता है।

साथ ही चुनाव आयोग को जनसंचार के माध्यमों का बेहतर उपयोग करते हुए चुनावी प्रक्रिया से जुड़े भ्रमों और संदेहों का समय–समय पर समाधान करना चाहिए। पश्चिम बंगाल में ईवीएम जलने की घटना केवल एक प्रशासनिक दुर्घटना नहीं है, यह लोकतंत्र के उस मूल प्रश्न को सामने लाती है कि नागरिकों का विश्वास कैसे सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र केवल मतपेटियों या मशीनों से नहीं चलता, बल्कि उस भरोसे से चलता है जो नागरिक चुनावी प्रक्रिया पर करते हैं। ईवीएम की सुरक्षा, चुनाव आयोग की पारदर्शिता, राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी और मीडिया की संवेदनशीलता, ये सभी मिलकर उस विश्वास की रक्षा करते हैं। यदि संदेह की लपटें लगातार फैलती रहीं और उनका समय पर समाधान नहीं हुआ, तो वे केवल मशीनों को नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता को भी झुलसा सकती हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हर प्रश्न का उत्तर तथ्यों से दिया जाए, हर आशंका का समाधान पारदर्शिता से किया जाए और लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनविश्वास को हर परिस्थिति में अक्षुण्ण रखा जाए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अभिनेत्री संचिता उगले ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई/एजेन्सी

टीवी अभिनेत्री संचिता उगले की मौत की खबर ने मनोरंजन जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि 22 साल की उम्र में उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह घटना 14 जून की शाम को उनके नालासोपारा ईस्ट के आचोले गांव के साईं संतोषी बिल्डिंग वाले घर में हुई। संचिता ने अपने बेडरूम में अंदर से दरवाजा बंद करके सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों ने तुरंत उन्हें वसई-विरार म्युनिसिपल हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आचोले पुलिस स्टेशन के एएसआई विनोद बाघ ने बताया कि संचिता ने शाम 7 बजे से 7:30 बजे के बीच यह कदम उठाया। पुलिस को सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा तैयार किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। मृतका के पिता मछिंदा उगले की शिकायत के आधार पर 15 जून को आचोले पुलिस स्टेशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत आकस्मिक मृत्यु (एडीआर) का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना हैं कि आत्महत्या के पीछे का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। हरसंभव पहलू से जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी सामने आएगी।

संचिता उगले धीरे-धीरे टीवी इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रही थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान लोकप्रिय जी टीवी सीरियल 'कुमकुम भाग्य' में दिया टंडन के रोल से मिली। इस सीरियल में काम करना उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। संचिता ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि इस शो ने उन्हें न सिर्फ नाम दिया बल्कि उनके परिवार का भी पूरा समर्थन मिला। 'कुमकुम भाग्य' के अलावा संचिता ने 'वागले की दुनिया' में रुचिता जेटली का किरदार निभाया। बाद में वे दंगल के टीवी शो 'दिलवाली दुल्हा ले जाएगी' में मुख्य भूमिका सुकून के रूप में नजर आईं। संचिता उगले ने टीवी के साथ-साथ फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्टस में भी काम किया। विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' में उन्होंने तारा रानी के छोटे वर्जन का रोल प्ले किया। इसके अलावा, मनोज बाजपेयी की 'साइलेंस 2: द नाइट आउल बार शूटआउट' फिल्म में भी उनकी भूमिका अहम रही।

महेश भट्ट ने की वीर पहाड़िया स्टारर नाम - टू लिव इज़ वॉर की आधिकारिक घोषणा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता वीर पहाड़िया ने अपनी अगली बड़ी फिल्म 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म को दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट प्रस्तुत कर रहे हैं। आने वाली यह फिल्म एक डार्क एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है, जिसमें वीर एक दमदार और रफ-टफ अवतार में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ मजबूत इमोशनल ड्रामा का भी मेल देखने को मिलेगा, जिससे यह वीर की बढ़ती फिल्मोग्राफी की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म को लेकर उत्साह को और बढ़ाते हुए खबर है कि अभिनेता वरुण शर्मा पहली बार अपने करियर में नेगेटिव रोल निभाते नजर आएंगे। अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और हल्के-फुल्के किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले वरुण का यह नया अवतार दर्शकों और इंडस्ट्री के बीच पहले से ही जिज्ञासा पैदा कर रहा है। फिलहाल फिल्म में वीर और वरुण के बीच टकराव को इसकी बड़ी खासियतों में से एक माना जा रहा है। गौरतलब है कि 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' वीर पहाड़िया की तीसरी फिल्म होगी। उन्होंने 'स्काई फोर्स' से अपना डेब्यू किया था, जबकि उनकी दूसरी अनटाइटल्ड फिल्म इसके रिलीज़ से पहले सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

ब्रिटेन में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया ऐप के इस्तेमाल पर लगेगी रोक : स्टार्मर

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने सोमवार को घोषणा की कि बच्चों की ''भलाई और सुरक्षा'' के लिए 16 साल से कम उम्र के सभी अवयस्कों के लिए सोशल मीडिया ऐप के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाएगी। लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट से दिए गए एक भाषण में, स्टार्मर ने कहा कि एक प्रधानमंत्री के तौर पर और छोटे बच्चों के पिता के तौर पर उनका यह फैसला उचित है। उन्होंने माना कि दुनिया की कुछ सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर इस तरह की रोक लगाना आसान नहीं होगा, लेकिन बच्चों की सेहत और भलाई सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। स्टार्मर ने कहा, ''आज हमारे देश के लिए एक बड़ा पल है। यह हमारे बच्चों और हमारे भविष्य के लिए एक बड़ा कदम और असल बदलाव है, क्योंकि आज मैं यह घोषणा कर सकता हूं कि सरकार 16 साल से कम उम्र के सभी बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाएगी।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह कदम हल्के में नहीं उठा रहा हूं, और मैं इसे ऐसे भी पेश नहीं करूंगा जैसे सोशल मीडिया ने युवाओं को कोई लाभ नहीं पहुचाया है, क्योंकि यह स्पष्ट रूप से गलत होगा।

दौरा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को यूरोप के पहले और सबसे बड़े विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र, सोफिया एंटीपोलिस के दौरे के दौरान।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान के शांति समझौते पर हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करेगा पाकिस्तान : शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा कि उनका देश स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित किये जाने वाले समारोह की मेजबानी करेगा।

शाहबाज ने पाकिस्तान संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली को अमेरिका-ईरान टकराव को खत्म करने की पाकिस्तान की कोशिशों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''यह दो देशों के बीच कोई समझौता नहीं है, बल्कि यह शांति और बातचीत की सफलता है, यह एक कूटनीतिक सफलता है।''

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि इस टकराव से वैश्विक ऊर्जा ढांचे पर खतरा मंडरा रहा था।

शहबाज ने अमेरिका और ईरान के बीच होने जा रहे समझौते को शांति की दिशा में एक ''ऐतिहासिक मील का पत्थर'' करार दिया। उन्होंने इस घटनाक्रम का स्वागत करते हुए कहा, ''तीन महीने और 16 दिनों की लगातार कोशिशों के बाद, अमेरिका और ईरान ने लेबनान समेत सभी जगहों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और हमेशा के लिए खत्म करने का ऐलान किया है।'' उन्होंने कहा कि बातचीत की पूरी प्रक्रिया के दौरान, अमेरिका और ईरान, दोनों देशों के नेतृत्व ने मुश्किल हालात में भी सब्र और समझदारी दिखाई ''नतीजतन, पूरी दुनिया इस शानदार दिन की गवाह बनी है''।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका और ईरान ने अपने 107 दिन लंबे युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है।

शिल्पा शेट्टी ने मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट के साथ मंडे मोटिवेशन की डोज दी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने फिटनेस के शौकीनों के लिए 'मंडे मोटिवेशन' का डोज देकर सप्ताह की शुरुआत की। अपनी हालिया पोस्ट में शिल्पा शेट्टी ने बैलेंस, फ्लेक्सिबिलिटी और पूरे शरीर पर कंट्रोल बेहतर बनाने पर केंद्रित एक मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट शेयर किया। कैप्शन में उन्होंने फैंस को अपने फिटनेस लक्ष्यों के प्रति लगातार बने रहने के लिए भी प्रोत्साहित किया। वीडियो में, 'धड़कन' फिल्म की एक्ट्रेस को बैलेंस, फ्लेक्सिबिलिटी और नियंत्रित मूवमेंट पर ध्यान देते हुए मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट करते हुए देखा जा सकता है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, आपका बैलेंस कितनी बार बिगड़ा? सच-सच बताइए। मोबिलिटी चैलेंज के फायदे, कई तरह की मूवमेंट से कंधे की मोबिलिटी और फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है। बेहतर पोस्चर और मूवमेंट के लिए ऊपरी और बीच की पीठ (थोरेसिक स्पाइन) की मोबिलिटी बढ़ती है। हिप मोबिलिटी बढ़ती है, जिससे आप ज़्यादा आसानी और अच्छे से मूव कर पाते हैं। बैलेंस, तालमेल और पूरे शरीर पर कंट्रोल को चुनौती मिलती है। मोटर कंट्रोल बेहतर होने के साथ-साथ शरीर को स्थिर रखने वाली मांसपेशियां मजबूत होती हैं। मूवमेंट के तरीके बेहतर होते हैं और जोड़ों की सेहत अच्छी रहती है। शरीर के प्रति जागरूकता, फोकस और फंक्शनल फिटनेस बढ़ती है।

शिल्पा शेट्टी अक्सर अपने वर्कआउट और योग सेशन के वीडियो शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके फिटनेस रूटीन की झलक मिलती है। इस बीच शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में अपना 51वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपने शानदार जन्मदिन के सेलिब्रेशन की एक प्यारी सी झलक शेयर की, जिसे उन्होंने अपने परिवार के साथ मनाया। एक्ट्रेस ने इस खास दिन का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया।

क्लिप में शिल्पा अपने पति राज कुंद्रा के साथ केक काटती हुई दिख रही हैं, जबकि उनके बच्चे उनके लिए जन्मदिन का गाना गा रहे हैं। बच्चों को प्यार करने वाली इस मां ने केक का मजा लिया और उन्हें एक खास तोहफ़ा भी मिला, जिसने उन्हें हैरान कर दिया। इस प्यारे से वीडियो के साथ शिल्पा शेट्टी ने लिखा, अपने चाहने वालों के साथ एकदम परफेक्ट जन्मदिन। आपकी सभी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। दिल बहुत सारे प्यार से भर गया है। दिल से आभार। काम की बात करें तो, शिल्पा शेट्टी को आखिरी बार वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में देखा गया था।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या और सूने होते घर चिंताजनक : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुजुर्गों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि एक ओर घर सूने होते जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वृद्धाश्मों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा और सहायता करना सनातन संस्कृति का प्रमुख मूल्य है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम लिखे एक पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह तथ्य मन को विचलित करता है। आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई? एक संवेदनशील नागरिक के रूप में हमें इस पर विचार करना चाहिए।''

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 15 जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जिन लोगों ने अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया, वे जीवन के चौथे चरण में अकेले पड़ जाते हैं। उन्हें दूसरों पर निर्भर होना पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि आज के समय में युवा रोजगार और अन्य कारणों से घरों से दूर रहते हैं, जिसके कारण वृद्ध माता-पिता की देखभाल करने वाला कोई नहीं होता। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को सबसे अधिक अपनत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें अपने ही लोगों के दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है।आदित्यनाथ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय को भी एक आदेश में लोगों को अपने वृद्ध माता-पिता के प्रति जिम्मेदारियों की याद दिलानी पड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन संस्कृति में माता-पिता और गुरु को ईश्वर के समान माना गया है। इस संदर्भ में उन्होंने भगवान गणेश की अपने माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती के प्रति भक्ति का भी उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म की धार्मिक और सामाजिक परंपराएं पारिवारिक संबंधों और मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, ''सनातन परंपरा में बड़ों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेने की परंपरा है, क्योंकि वे हमारे अनुभव, संस्कृति और जीवन मूल्यों की सच्ची धरोहर हैं।''

ट्रेलर लॉन्च

-जियोहॉटस्टार की आगामी सीरीज़ 'प्रीतम एंड पेड्रो' के ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान पोज़ देते अभिनेता अरशद वारसी और शांतनु माहेश्वरी।

फीफा वर्ल्ड कप

फीफा वर्ल्ड कप के रोमांच के बीच सोमवार को उत्तरी कोलकाता के मस्जिद लेन में वर्ल्ड कप थीम वाली ग्राफ़िटी (दीवार पर बनी पेंटिंग) के पास अपनी उंगली पर फुटबॉल नचाकर हुनर दिखाता एक प्रशंसक।

'370 रुपए की बिरयानी' पर विवाद के बाद कॉमेडियन प्रणित मोरे ने मांगी माफी

नई दिल्ली/एजेन्सी

370 रुपए की बिरयानी वाले वायरल वीडियो को लेकर हो रही ऑनलाइन आलोचना के बीच स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणित मोरे ने शनिवार को माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस आलोचना का सामना करना ही था। उन्होंने लोगों से एक और मौका देने की गुजारिश की। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में मोरे ने कहा, मैं आप सभी से इस बारे में बात करना चाहता था, लेकिन मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया था। आपने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा क्राउड-वर्क वीडियो देखा होगा और इसकी वजह से मुझे काफी नफरत का सामना करना पड़ रहा है। कॉमेडियन ने माना कि परफॉर्मेंस के दौरान जब गलत बातें कही गईं, तो उन्होंने दखल न देकर गलती की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं इस नफरत का हकदार हूं। क्राउड वर्क सेशन के दौरान उस आदमी ने कई अपमानजनक बातें कहीं। सब हंस रहे थे और मैं भी बहक गया। यह मेरी समझ की कमी थी। मेरा मानना है कि यह मेरी सबसे बड़ी गलती थी। मैं उस समय स्टैंड ले सकता था, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।

प्रणित मोरे ने माना कि उनकी प्रतिक्रिया ने उन टिप्पणियों को एक मंच दिया और स्थिति को और बिगड़ने दिया। उन्होंने आगे कहा, मैंने उन कमेंट्स को एक मंच दिया और उसके बाद मामला बढ़ता चला गया।

जिन लोगों को इससे दुख पहुंचा है, मैं उनसे माफी मांगना चाहता हूं। जो भी कानूनी कार्रवाई चल रही है, उसमें मैं अधिकारियों का पूरा सहयोग कर रहा हूं। मैं आप सभी से एक मौका देने की गुजारिश करता हूं। मैं एक बेहतर इंसान बनूंगा। यह मेरे लिए भी सीखने का अनुभव रहा है। मैं खुद पर और अपने कंटेंट पर काम कर रहा हूं और आप इसे मेरे भविष्य के काम में देखेंगे।

गुरुग्राम में एक स्टैंड अप कॉमेडी शो के दौरान की गई कथित टिप्पणियों को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने गुरुवार को मोरे और वेब डेवलपर हिमांशु जांगड़ा को तलब किया। आयोग ने कहा कि इन टिप्पणियों से ऐसा लगा जैसे किसी महिला के साथ यौन जबरदस्ती और बिना सहमति के किए गए व्यवहार को सही ठहराया जा रहा हो।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब जांगड़ा ने शो के दौरान एक 'डेट' का किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने चिकन बिरयानी की एक प्लेट पर 370 रुपए खर्च किए थे। उनके बताए किस्से के अनुसार, जब महिला ने बाद में उन्हें घर छोड़ने के लिए कहा, तो उन्होंने खर्च किए गए पैसों के बदले यौन संबंध बनाने की मांग की। परफॉर्मेंस के दौरान मोरे को उस टिप्पणी पर हंसते हुए देखा गया था। बढ़ते विरोध के बीच गुरुग्राम की एक कंपनी ने भी जांगड़ा को नौकरी से हटा दिया।

'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में आकांक्षा रंजन कपूर ने छोड़ी गहरी छाप

मुंबई/एजेन्सी

एक छोटी लेकिन यादगार भूमिका से शुरू हुआ उनका सफ़र अब एक अहम किरदार में बदल गया है। ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2 का ट्रेलर आ चुका है और आकांक्षा रंजन कपूर इस नए सीज़न की मुख्य ताकतों में से एक हैं यह दिखाता है कि पहली बार में ही उनकी परफॉर्मेंस दर्शकों को कितनी पसंद आई थी। प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली ग्राम चिकित्सालय को झारखंड के भातखंडी में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के ईमानदार और असल चित्रण के लिए तारीफ़ मिली। सीज़न 1 में, जहाँ दर्शकों को डॉ. प्रभात (अमोल पाराशर द्वारा निभाया गया किरदार) के आदर्शवादी संघर्षों से परिचित कराया गया, वहीं आकांक्षा की डॉ. गार्गी ने भी सबका ध्यान खींचा। कम समय के लिए स्क्रीन पर आने के बावजूद, उन्होंने एक स्थानीय डॉक्टर की भूमिका में अधिकार और भावनात्मक समझ दिखाई एक ऐसी डॉक्टर जो सिस्टम को समझती है क्योंकि उसने खुद उसे जिया है। प्रभात की पेशेवर साथी और नैतिक मार्गदर्शक के तौर पर, डॉ. गार्गी की मौजूदगी ने कहानी को मज़बूती दी और दर्शकों को और भी देखने की इच्छा जगाई। दर्शकों की प्रतिक्रिया तेज़ और ज़बरदस्त थी।

डॉ. गार्गी की स्पष्टता, संयम और दिखावे से दूर रहने के अंदाज़ ने लोगों का दिल जीत लिया, जिससे शुरू में एक छोटी सी भूमिका (कैमियो) लगने वाला किरदार शो के सबसे चर्चित हिस्सों में से एक बन गया। सीज़न 2 इस मांग को पूरी तरह से पूरा करता है। जैसा कि हाल ही में जारी ट्रेलर से पता चलता है, डॉ. गार्गी का सफ़र अब कहानी के केंद्र में आ गया है, जिसमें दांव ऊंचे हैं, नैतिक उलझनें गहरी हैं और कहानी का भार मज़बूती से आकांक्षा के कंधों पर है। अपने किरदार के विस्तार के बारे में बात करते हुए आकांक्षा ने कहा, मेरे लिए, इस सफ़र का सबसे संतोषजनक हिस्सा यह रहा है कि मेकर्स ने डॉ. गार्गी के साथ दर्शकों के जुड़ाव पर कैसी प्रतिक्रिया दी। सीज़न एक में उन्हें ईमानदारी से पेश किया गया – उन्हें असल इंसान के तौर पर लिखा गया था। दर्शकों द्वारा इसे पसंद किए जाने से मेकर्स को सीज़न दो में उनकी दुनिया को और ज़्यादा दिखाने का आत्मविश्वास मिला।

गार्गी अब मुश्किल फ़ैसलों, बड़ी ज़िम्मेदारियों और प्रतिबद्ध रहने की कीमत का सामना कर रही हैं। मुझे ऐसे शो का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है जहाँ प्लेटफ़ॉर्म बारीकियों को महत्व देता है और जहाँ मेकर्स सच्चाई के साथ आगे बढ़ने के लिए एक्टर्स पर भरोसा करते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2 के अलावा आकांक्षा जल्द ही फिल्म इक्का में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ सनी देओल और अक्षय खन्ना होंगे। इसके अलावा उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द होने की उम्मीद है।

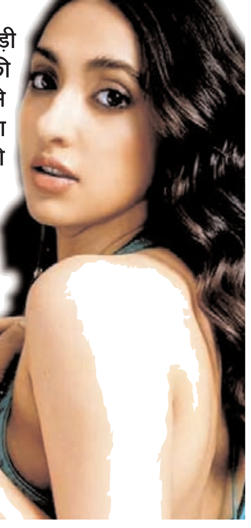

एल्जी इलेक्ट्रिक किंग बनी विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कुचेरा जैन एसोसिएशन द्वारा रविवार को एसपीआर सिटी में आयोजित केपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में एल्जी इलेक्ट्रिक किंग बनी विजेता और रॉयल फाइनेंस उपविजेता रही। सेंचुरी एलएडी और अर्बन स्मार्ट वियरएबल्स टीम टूर्नामेंट की सेमी फाइनलिस्ट रही। विजेता और उपविजेता टीमों को स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुचेरा जैन एसोसिएशन खेल समिति के अजीत श्रीश्रीमाल, भरत नाहर, धर्मेंद्र कुम्भट, दिलीप बागमार के साथ ही अध्यक्ष विजय कुमार नाहर, राजेंद्र सुराणा, सुरेश रांका, नरेश रांका का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जैन संघटना कोयम्बटूर द्वारा जून महीने के फाउन्डेशन प्रोगाम के ईको फियेस्टा के तहत वृक्षारोपण का कार्य किया गया। पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए स्थानीय भगवान महावीर गौशाला मे अनेक नये वृक्ष और पेड़ पौधों को खाली जमीन में रोपित किया गया। महिला विंग एवं पुरुष सदस्यों का इस कार्य में पूरा सहयोग रहा। पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीजेएस तमिलनाडु के पूर्व राज्याध्यक्ष रमेश पटावरी, महामंत्री राजेश पोकरणा, संघटन मंत्री धर्मेन्द्र श्रीश्रीमाल, बीजेस कोयम्बटूर अध्यक्ष राकेश गोलेच्छा, सचिव गौरव श्रीश्रीमाल महिला विंग की अध्यक्ष सपना लोढा, सचिव संगीता सुराना सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह

संयमी बनने वाला सौभाग्यशाली होता है : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्यश्री महाश्रमण के शिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमार के मंगल सान्निध्य व श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में दीक्षार्थी सुमन बैद (छापर) का मंगल भावना समारोह एमकेएम मेमोरियल में आयोजित किया गया। मुनिश्री पुलकित कुमार ने संयम का महत्व उजागर करते हुए कहा- जितेंद्रिय बनने वाला ही संयम का सुख प्राप्त कर सकता है। संयम का सुख असीमित होता है। मुनिश्री ने आगे कहा,जो अपनी इंद्रियों का दास नहीं बनता वही सच्चा संयमी हो सकता है। जैन मुनि दीक्षा के लिए उत्कृष्ट वैराग्य एवं अनासक्ति के भावों का विकास आवश्यक है। संयमी बनने वाला सौभाग्यशाली होता है। सहनशील, श्रमशील और विनयशील व्यक्ति ही उत्कृष्ट साधु जीवन का पालन कर सकता है। दीक्षार्थी श्रीमती सुमन बैद की दीक्षा आगामी 20 सितंबर को राजस्थान के लाडनूं कें आचार्य श्री महाश्रमणजी के द्वारा होगी। दीक्षार्थी के परिवार से पूर्व में पति मुनिश्री रमणीय कुमार एवं पुत्री साध्वीश्री प्रणवप्रभा तेरापंथ धर्मसंघ में दीक्षित हैं। दीक्षार्थी सुमन बैद ने कहा कि चारित्र के बिना मनुष्य जीवन अधूरा है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस जीवन में गुरु कृपा से चारित्रयुक्त जीवन जीने का शुभ अवसर प्राप्त हो रहा है। मुनिश्री का मेरे परिवार पर बहुत उपकार रहा है,उसे मैं कभी नहीं भूल सकती। दीक्षार्थी ने उपस्थित श्रावक समाज को त्यागमय जीवन जीने की प्रेरणा भी दी। दीक्षार्थी का परिचय सभा उपाध्यक्ष डॉ. कमलेश नाहर ने प्रस्तुत किया। महासभा तमिलनाडु आंचलिक प्रभारी विमल चिप्पड़ ने तेरापंथ महासभा एवं अन्य सभी संस्थाओं की तरफ से दीक्षार्थी के प्रति आध्यात्मिक मंगल कामना की। चेन्नई सभाध्यक्ष महेंद्र मांडोत ने स्वागत भाषण दिया। टीपीएफ़ अध्यक्ष प्रमिला जैन ने विचार व्यक्त किए। विभिन्न संगठनों द्वारा दीक्षार्थी का अभिनंदन किया गया।

साधना नहीं, समाधि हमारे जीवन की चुनौती है : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

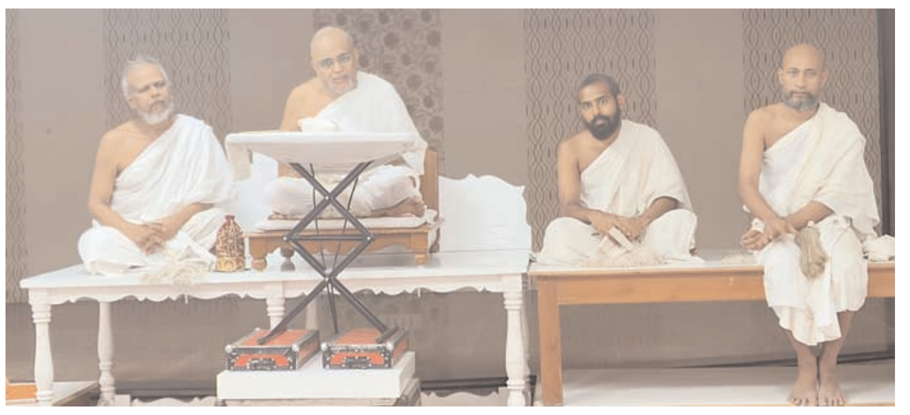

चेन्नई। यहां मिंट स्ट्रीट स्थित श्री गुजराती जैनवाड़ी में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने अपने सारगर्भित और प्रेरणादायी प्रवचन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति युगों-युगों से सुबह से शाम तक सुख की खोज में दौड़ रहा है। लेकिन सही समझ बहुत कम लोगों को हैं। आचार्यश्री ने कहा कि सामान्यतः लोगों की तीन मान्यताएं होती हैं अधिक संपत्ति का संग्रह, अधिक संबंधों का निर्माण तथा अधिक सुविधाओं की प्राप्ति। किंतु न तो संपत्ति में सुख है और न ही केवल संबंधों में। प्रभु की वाणी स्पष्ट कहती है कि सुख का वास्तविक आधार समाधि है। उन्होंने प्रश्न किया कि यदि संपत्ति और संबंध ही सुख का कारण होते, तो संसार का प्रत्येक सम्पन्न व्यक्ति पूर्णतः सुखी होता। वास्तव में सुख बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि आंतरिक स्वीकार भाव में निहित है। समाधि की व्याख्या करते हुए आचार्यश्री ने सुधर्मास्वामीजी के वचनों का उल्लेख किया और कहा कि किसी भी परिस्थिति को सहजता से स्वीकार कर लेना ही समाधि है। यदि हम स्वीकार का मनोविज्ञान सीख लें, तो जीवन में सहज ही समाधि प्राप्त हो सकती है। उन्होंने सुंदर उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे फूल जहां भी जाता है, अपनी सुगंध बिखेरता है, उसी प्रकार मनुष्य को भी परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना अपनी प्रसन्नता बनाए रखनी चाहिए। छोटी-छोटी बातों से यदि हमारी शांति भंग हो जाती है, तो यह समाधि की कमी का संकेत है। आचार्यश्री ने साधना और समाधि का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि अच्छा कार्य करना साधना है, जबकि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी शिकायत न करना समाधि है। हजारों विपरीत परिस्थितियां आने पर भी जिसका मन विचलित नहीं होता, वही वास्तविक समाधि का अधिकारी है। भगवान ऋषभदेव का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि चार सौ दिनों तक गोचरी न मिलने पर भी भगवान ने अपनी प्रसन्नता और समता को अक्षुण्ण बनाए रखा। यही समाधि का सर्वोच्च स्वरूप है। उन्होंने प्रेरणादायी शैली में कहा कि हमें परिस्थिति नहीं, अपनी मनोस्थिति बदलनी है। अधिक संपत्ति या अधिक संबंधों में नहीं, बल्कि समाधि में ही वास्तविक सुख का निवास है।

इस अवसर पर पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि बुढ़ापा, रोग और इंद्रियों की दुर्बलता आने के बाद धर्म आराधना करना कठिन हो जाता है। इसलिए जब तक शरीर स्वस्थ है और अवसर उपलब्ध है, तब तक धर्म-साधना एवं आत्मकल्याण के कार्यों में जुट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाहरी रोगों के साथ-साथ भीतर के कर्मरूपी रोगों का उपचार भी आवश्यक है। इसलिए प्रभु-वचनों को जीवन में स्वीकार कर धर्म आराधना का लाभ उठाना चाहिए। वहीं मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी म.सा.ने कहा कि सत्य का दर्शन करने के लिए ज्ञान का प्रकाश आवश्यक है। उन्होंने मां, महात्मा और परमात्मा की विशेषता बताते हुए कहा कि जिसके निकट जाने से दुःख दूर हो जाए वह मां है, जिसके पास जाने से पाप कम हो जाए, वह महात्मा है और जिनकी शरण में जाने से संसार का अंत हो जाए, वह परमात्मा हैं।

शिवोहम महेश नवमी महामहोत्सव पर विशेष मास्टर हेल्थ चेक-अप शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा द्वारा मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित शिवोहम महेश नवमी महामहोत्सव के अंतर्गत भव्य विशेष मास्टर हेल्थ चेक-अप कैंप का शुभारंभ अपोलो हेल्थ सेंटर, ग्रीम्स रोड, चेन्नई में किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, ट्रस्टीगण एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। शिविर के प्रथम दिवस से ही समाज के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों में स्वास्थ्य परीक्षण को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला तथा बड़ी संख्या में लोगों ने इस जनहितकारी पहल का लाभ उठाया।

सभा अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने अपने संबोधन में कहा कि श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई सदैव समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती रही है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी सभा निरंतर महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। कार्यक्रम के चेयरमैन किशन झंवर एवं मदन राठी ने बताया कि शिवोहम महेश नवमी महामहोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस विशेष मास्टर हेल्थ चेक-अप कैंप को समाजबंधुओं का अत्यंत उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है। शिविर के प्रथम दिवस लगभग 70 समाजबंधुओं एवं उनके परिवारजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया। उन्होंने बताया कि 23 जून तक चलने वाले इस स्वास्थ्य शिविर में प्रतिदिन लगभग 30 से 35 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा तथा कुल मिलाकर लगभग 350 समाजबंधुओं एवं उनके परिवारजनों को इस जनहितकारी सेवा का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह स्वास्थ्य अभियान समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही उन्होंने इस सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले अपोलो हॉस्पिटल, सभी स्वयंसेवकों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल एसपीआर सिटी द्वारा नेत्र जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महावीर इंटरनेशनल एसपीआर सिटी द्वारा चेन्नई मेट्रो के सहयोग से नेत्र जांच शिविर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन सज्जन जैन द्वारा प्रार्थना एवं स्वागत भाषण से हुआ। सेक्रेटरी महावीर लूणावत ने कार्यक्रम की जानकारी दी तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

चेन्नई मेट्रो के सचिव दीलीप मेहता, आई केम्प डाइरेक्टर नरेश खीचा, अजीत नागोरी, राजेन्द्र बेताला, राजेन्द्र खारीवाल उपस्थित रहे।

अग्रवाल आई हॉस्पिटल की टीम द्वारा 78 लोगों की नेत्र जांच की गई। तथा 44 जनों को चश्मे बना कर दिए जायेंगे एवं 2 जरूरतमंदों का मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाया जाएगा। शिविर के मुख्य सहयोगी पृथ्वीराज बागरेचा का सम्मान कोषाध्यक्ष मनीष सेठिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में सुरेश लोढ़ा, राजेश लोढ़ा, ज्ञानचंद जैन, शिवरतन जोशी, किरण जैन , गौतम ओसवाल, महेंद्र अग्रवाल, अमित माहेश्वरी, भरत, सुरेश जैन, महावीर खीचा एवं मिलापचंद, राजू रावल सहित सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

डब्ल्यूओसी इंडिया स्पोर्ट्स इंजरी कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अपोलो हॉस्पिटल्स एवं अग्रणी वैश्विक संगठन वर्ल्ड ऑर्थोपेडिक कंसर्न इंडिया द्वारा ऑर्थोपेडिक देखभाल को बढ़ावा देने के लिए द्वितीय वार्षिक कांग्रेस डब्ल्यूओसी इंडिया स्पोर्ट्स इंजरी कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम में देश भर से 250 से अधिक प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जन, खेल चिकित्सा विशेषज्ञ, चिकित्सक और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरो ने भाग लेकर खेल चोटों की रोकथाम, निदान, उपचार, पुनर्वास में नवीनतम प्रगति एथलीटों की देखभाल, प्रदर्शन और रिकवरी में सुधार लाने के उद्देश्य से उभरते नवाचारों पर विचार-विमर्श किया इसके साथ ही इस कॉनक्लेव में 35 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने वैज्ञानिक सत्रों, पैनल चर्चाओं और व्यावहारिक कार्यशालाओं के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता साझा की। एसीएल और मल्टीलिगामेंट चोट पुनर्निर्माण, मेनिस्कस मरम्मत, डिस्टल फेमोरल ऑस्टियोटॉमी, हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी और प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा (पीआरपी) थेरेपी पर पांच विशेष कार्यशालाओं ने प्रतिभागियों को खेल चोट प्रबंधन की उन्नत तकनीकों और समकालीन दृष्टिकोणों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कॉन्क्लेव में वर्ल्ड ऑर्थोपेडिक कंसर्न इंडिया के अध्यक्ष डॉ. अरिंदम बनर्जी; डॉ. चिन्मय नरह, मानद सचिव, डब्ल्यूओसी इंडिया डॉ. सिद्धांत गोयल, कोषाध्यक्ष, डब्ल्यूओसी इंडिया आयोजन अध्यक्ष डॉ. नवलदी शंकर, वरिष्ठ सलाहकार आर्थोपेडिक सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल्स,डॉ. इलानकुमारन कालियामूर्ति, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अपोलो हॉस्पिटल् डॉ. एस. ससीनदार, उपाध्यक्ष, डब्ल्यूओसी इंडिया डॉ. विष्णु सेंथिल, डॉ. समुंदेश्वरी एस, संयुक्त सचिव, डब्ल्यूओसी इंडिया सहित अनेक चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए डब्ल्यूओसी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. अरिंदम बनर्जी ने कहा कि भारत ऑर्थोपेडिक्स और स्पोर्ट्स मेडिसिन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभर रहा है हम अब केवल ज्ञान और सहायता प्राप्त करने वाले देश नहीं हैं बल्कि आज भारतीय विशेषज्ञ सक्रिय रूप से डॉक्टरों को प्रशिक्षण दे रहे हैं और विश्व भर में अपनी विशेषज्ञता साझा कर रहे हैं। अपनी सशक्त नैदानिक प्रतिभा, विस्तारित स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना और जटिल मस्कुलोस्केलेटल स्थितियों के प्रबंधन में व्यापक अनुभव के साथ, भारत ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में उभर रहा है। हालांकि, खेलों और शारीरिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ने के साथ-साथ खेल संबंधी चोटों की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम पूरे देश में विशेषज्ञ ज्ञान और नवीनतम चिकित्सा प्रगति तक पहुंच का विस्तार करते रहें। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से, हमारा उद्देश्य सार्थक आमने-सामने की बातचीत, विशेषज्ञों के नेतृत्व में चर्चा और केस-आधारित शिक्षण के लिए एक मंच प्रदान करना है जो नैदानिक ज्ञान को समृद्ध करे, नैदानिक निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करे और अंततः खिलाड़ियों और रोगियों दोनों के लिए बेहतर परिणाम प्रदान करे। कॉनक्लेव में डॉ. नवलदी शंकर डॉ. ससींदर शनमुगसुंदरम,डॉ. समुंदेश्वरी ससींदर डॉ. विष्णु सेंथिल सहित अनेक चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि खेल चोटों का प्रबंधन नए साक्ष्यों, उभरती प्रौद्योगिकियों और शल्य चिकित्सा एवं गैर-शल्य चिकित्सा में प्रगति के कारण तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच समकालीन ज्ञान के प्रसार, नैदानिक और शल्य चिकित्सा कौशल को परिष्कृत करने और बेहतर रोगी परिणामों के लिए बहु-विषयक सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

राजस्थानी ओलम्पियाड-2026 का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रविवार को श्री अग्रवाल सभा को अन्ना नगर में चतुर्थ राजस्थानी ओलम्पियाड 2026 का शुभारंभ हुआ। दीप प्रज्वलन व प्रार्थना के उपरान्त असोसिएशन के अध्यक्ष अजित एन चोरड़िया ने स्वागत भाषण के बाद जीवन में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान बताया।

आपने रजत के सब कार्यक्रमों की पूरी जानकारी भी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व पावर स्पोन्सर कपिल झवर ने भी अपने जीवन में खेलों को बहुत सहयोगी बताया व आयोजकों व खिलाड़ियों को बधाई व शुभकामनाएं दी। ओलम्पियाड के चेयरमैन राधेश्याम मूँधड़ा ने ओलम्पियाड 2026 की विस्तृत जानकारी दी व बताया कि इस ओलम्पियाड को गर्मी व सर्दी के मौसम के हिसाब से दो भागों में बांटा गया है। जहां जून/जुलाई में चैस, कैरम, टेबल-टेनिस, पिकल बाल व बैडमिंटन रखे गए हैं वहीं जनवरी/फरवरी में वालीबॉल, क्रिकेट, महिलाओं का थ्रो बाल, साइक्लोन व एप के मार्फत पैदल-चाल-प्रतियोगिता रखे गए हैं। मंत्री दिनेश कोठारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मीडिया प्रभारी ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि सुबह से शुरू हुए चेस व कैरम दोनों खेल शाम तक पूरे हुए व समापन पर विजेताओं को भव्य मैडल देकर सम्मानित किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.